RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 138 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 5 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच मेडिकल छात्रों को मिली राहत

एनएमसी ने दी देश में इंटर्नशिप पूरी करने की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के कारण संकट का सामना कर रहे मेडिकल छात्रों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। नेशनल मेडिकल कमीशन (NMC) ने एक सर्कुलर जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है कि यूक्रेन से वापस आने वाले छात्र अब भारत में ही अपनी एक साल की इंटर्नशिप को पूरा कर सकते हैं। इसके लिए कोरोना महामारी या युद्ध के समय चीजें काबू में न रहने का हवाला दिया गया है। एनएमसी ने यह सर्कुलर अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी जारी किया है। अधिक जानकारी के लिए छात्र nmc.org.in पर जाकर इसे पढ़ सकते हैं।

पास करनी होगी एफएमजीई परीक्षा

एनएमसी ने आगे बताया कि राज्य की परिषद इस बात का ध्यान रखेगी कि यूक्रेन से भारत आए छात्रों ने एनबीई की ओर से आयोजित एफएमजीई परीक्षा को पास किया हो। अगर छात्र सभी योग्यताओं को पूरा करते हैं तो उन्हें राज्य चिकित्सा परिषद की ओर से 12 महीने की इंटर्नशिप के लिए अंतरिम पंजीकरण दिया जाएगा। एनएमसी ने आगे बताया कि राज्य परिषदें इस बात का भी ध्यान रखेगी कि छात्रों से इंटर्नशिप पूरी करने के लिए कॉलेज की ओर से कोई भी शुल्क न लिया जाए। सर्कुलर में बताया गया है कि फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट को मिलने वाले स्टाइपेंड को भी भारत के सरकारी कॉलेज के मेडिकल छात्रों के बराबर किया जाएगा।

जानें एफएमजीई परीक्षा के बारे में

एफएमजीई परीक्षा का पूरा नाम फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स एग्जामिनेशन है। इसका आयोजन एनबीई (National Examination Board) करता है। परीक्षा को हर साल दो बार जून और दिसंबर के महीने में आयोजित किया जाता है। जो भी छात्र विदेशी कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई करते हैं, उन्हें भारत में उच्च शिक्षा और डॉक्टरी (प्रैक्टिसिंग) के लिए इस परीक्षा को पास करना अनिवार्य है। परीक्षा में सफल होने के लिए छात्रों को न्यूनतम 50 फीसदी अंक लाने होते हैं। इसके बाद छात्रों को स्थाई पंजीकरण प्रदान किया जाता है।

सरकार ने किया था उपाय निकालने का अनुरोध

हाल ही में केंद्र सरकार ने यूक्रेन से पढ़ाई को अधूरा छोड़कर वापस लौटे मेडिकल छात्रों की इंटर्नशिप के संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नेशनल मेडिकल कमीशन और नीति आयोग को एफएमजीएल (Foreign Medical Graduate Licentiate) एक्ट-2021 में राहत और मदद देने की संभावनाएं तलाशने को कहा था। इसके बाद एनएमसी की ओर से यह सर्कुलर जारी किया गया है।

सैकड़ों छात्रों को मिलेगी राहत

एनएमसी ने बताया है कि कई मेडिकल ग्रेजुएट छात्र रूस-यूक्रेन जंग के कारण अपनी इंटर्नशिप पूरी नहीं कर पाए हैं। इन छात्रों की परेशानी को देखते हुए उनके भारत में इंटर्नशिप के आवेदन को योग्य माना जाएगा। इससे उन सैकड़ों छात्रों को राहत मिलेगी जो इस संकट के कारण अपने पाठ्यक्रम को अधूरा छोड़ कर वापस भारत आ गए हैं।

कांकेर में नक्सलियों का उत्पात, सड़क निर्माण में लगी पांच गाड़ियों को फूंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सड़क निर्माण कार्य में लगी पांच गाड़ियों को माओवादियों ने आग के हवाले कर दिया है। कांकेर थानाक्षेत्र के मलाजकुंड जलप्रपात की ओर जाने वाले मार्ग को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाय) के तहत बनाया जा रहा है। सभी गाड़ियों इसी निर्माण कार्य में लगी है। शुक्रवार की शाम लगभग चार बजे आधा दर्जन वर्दीधारी माओवादी हथियार लेकर पहुंचे। घटना को अंजाम दिया और चेतावनी देकर चले गए।

माओवादियों ने सबसे पहले मरमामारी के पास निर्माण सामग्री लेकर जा रहे दो हाईवा वाहनों को रोककर आग के हवाले कर दिया। इसके बाद घटनास्थल से दो किलोमीटर आगे कलमुच्चे के पास खड़ी जेसीबी और दो मिक्सर मशीन में भी आग लगा दी। कांकेर एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि यह कार्य कांकेर के स्थानीय ठेकेदार अभय बाफना द्वारा करवाया जा रहा था। उन्हें कलमुच्चे से मारती तक लगभग 3 किमी सड़क निर्माण का ठेका मिला है। निर्माण कार्य में सभी वाहनों उनके स्वयं की है। एसपी ने कहा कि ठेकेदार द्वारा कोई सुरक्षा नहीं मांगी गई थी।

अति संवेदनशील इलाके में घटना

बता दें कि घटनास्थल कांकेर मुख्यालय से महज बीस किमी की दूरी पर है। घटनास्थल काफी संवेदनशील होने की वजह से सुरक्षाबल अभी मौके पर नहीं पहुंचे हैं, क्योंकि कई बार ऐसी स्थिति में माओवादियों द्वारा जवानों को निशाना बनाने एम्बुश भी लगाया जाता है। घटनास्थल पर मौजूद मजदूरों ने बताया कि माओवादियों ने घटना को अंजाम दिया और काम नहीं करने की चेतावनी देकर चले गए। नक्सलियों ने किसी मजदूर से कोई मारपीट नहीं की है। घटना के बाद से आसपास के इलाकों में दहशत है।

खास-खबर

प्रदूषण पर वार: केंद्र का बड़ा फैसला- आवासीय, वाणिज्यिक निर्माण स्थलों पर 10 फीसदी वृक्षारोपण का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शहरों में प्रदूषण में कमी लाने के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इसके तहत आवासीय और वाणिज्यिक निर्माण स्थलों में उनके भूखंड का कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्रों में वृक्ष लगाने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने 28 फरवरी को भवन निर्माण पर्यावरण प्रबंधन विनियम, 2022 पर एक मसौदा अधिसूचना जारी कर 60 दिनों के भीतर प्रस्ताव पर जनता के सुझाव और आपत्तियां मांगी। यह नियम उन परियोजनाओं पर लागू होंगे जिनमें नई भवन परियोजनाओं का निर्माण और 5,000 वर्ग मीटर से अधिक के निर्मित क्षेत्र वाले पुराने मौजूदा भवनों का विस्तार, नवीनीकरण या मरम्मत शामिल है। मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि प्रत्येक 80 वर्गमीटर भूमि के लिए कम से कम एक पेड़ लगाया जाना चाहिए ताकि पेड़ के कवर के तहत कम से कम 10 फीसदी भूखंड क्षेत्र सुनिश्चित हो सके। मौजूदा पेड़ों की गणना इस उद्देश्य के लिए की जाएगी।

इसमें कहा गया है कि इमारतों, सड़कों, पक्के क्षेत्रों और बाहरी सेवाओं के लिए प्रस्तावित क्षेत्रों से ऊपरी मिट्टी को केवल 20 सेमी की अधिकतम गहराई तक ही हटाया जाना चाहिए। इसे निर्दिष्ट क्षेत्रों में उचित रूप से भंडारित किया जाना चाहिए और साइट पर प्रस्तावित वनस्पति के रोपण के दौरान पुन: लागू किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि परियोजना के निर्माण चरण के दौरान केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के बिना आर्द्रभूमि और जल निकायों और भूजल पर किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

सीएम ने सफाईकर्मियों के बीच मनाया जन्मदिन, सफाई मित्र सेवा सम्मान का ऐलान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपना जन्मदिन भोपाल के सफाईकर्मियों के बीच पहुंचकर मनाया। यहां उन्होंने सफाईकर्मियों के लिए सफाई मित्र सेवा सम्मान निधि बनाकर उससे उनका सम्मान करने का ऐलान किया। साथ ही सफाईकर्मियों के बीच पहुंचकर सीएम ने भोजन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जन्मदिन की बधाई दी तो सीएम मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल से मुलाकात करने राजभवन भी पहुंचे।

रेल हादसा: स्टेशन पर सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, दो कोच जले

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में शनिवार सुबह दौराला स्टेशन पर सहारनपुर से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन के दो कोच में भीषण आग लग गई। जैसे ही धमाके के साथ कोच से धुआं उठना शुरू हुआ यात्री कोच से बाहर आने लगे। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट होने से कोच में आग लगी है। गनीमत यह रही कि ट्रेन दौराला स्टेशन पर खड़ी थी।

दौराला स्टेशन पर सुबह 7.10 पर ट्रेन पहुंची थी। रोजाना की तरह दैनिक यात्री ट्रेन आने का इंतज़ार कर रहे थे। इस ट्रेन से काफी संख्या में दिल्ली नौकरीपेशा यात्री सफर करते है। कोच में आग लगने पर तुरंत ही यात्रियों ने अन्य कोच से बाहर निकलना शुरू कर दिया। हालांकि, कोच में आग पूरी तरह फैल गयी थी। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने के इंतजाम नहीं हो पाए थे।

सहारनपुर दिल्ली पैसेंजर ट्रेन के दो कोच में आग लगने के बाद अन्य कोच को बचाने के लिए यात्रियों ने धक्का लगाकर ट्रेन को आगे खिसकाया। बताया गया कि यात्रियों ने खुद ट्रेन के अन्य कोचों को अलग करते हुए धक्का लगाकर स्टेशन की ओर बढ़ाया।

तीन घंटे से अधिक ठप रहने के बाद दिल्ली मेरठ रेल यातायात खोल दिया गया है। दिल्ली से देहरादून के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस को सिटी स्टेशन पर एक घंटे 43 मिनट खड़े रखना पड़ा। इसके बाद शताब्दी एक्सप्रेस को अब देहरादून की ओर चला दिया गया है।

मेरठ से मुजफ्फरनगर की ओर जाने वाली ट्रेनों का संचालन 10:30 बजे शुरू कर दिया गया। जिसके बाद मेरठ सिटी स्टेशन पर खड़ी शताब्दी और नौचंदी एक्सप्रेस को मुजफ्फरनगर की ओर रवाना किया गया। हालांकि मुजफ्फरनगर की ओर से मेरठ आने वाली ट्रेनों का संचालन अभी शुरू नहीं हो पाया है। अभी तक एक भी ट्रेन सिटी स्टेशन नहीं पहुंची है। खतौली से जनशताब्दी चल पड़ी है। शालीमार एक्सप्रेस भी दो से तीन घंटे लेट है। दिल्ली अंबाला इंटरसिटी भी अभी मुजफ्फरनगर की ओर से नहीं आई है। वहीं उत्कल एक्सप्रेस और सुपर एक्सप्रेस भी कई घंटे की देरी से चल रही है।

झटका: एनएसई की पूर्व सीईओ को राहत नहीं, अदालत ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को-लोकेशन मामले में विशेष सीबीआई अदालत ने पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चित्रा रामकृष्ण को बड़ा झटका दिया है। शनिवार को अदालत ने उनके अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। गौरतलब है कि चित्रा पर हिमालयन योगी के इशारे पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का संचालन करने और संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। बता दें कि इस मामले में बीते दिनों केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एनएसई के पूर्व ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर (जीओओ) आनंद सुब्रमण्यम को चेन्नई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था और दावा किया था कि वही हिमालयन योगी हैं। आनंद सुब्रमण्यम पर आरोप है कि वह एनएसई के कामकाज में दखल देते थे। इसके साथ ही वह एनएसई की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण को सलाह दिया करते थे और वह उनके इशारे पर काम किया करती थीं।

रूस ने यूक्रेन में सीजफायर का एलान किया संकट में फंसे लोगों को निकालने के लिए फैसला

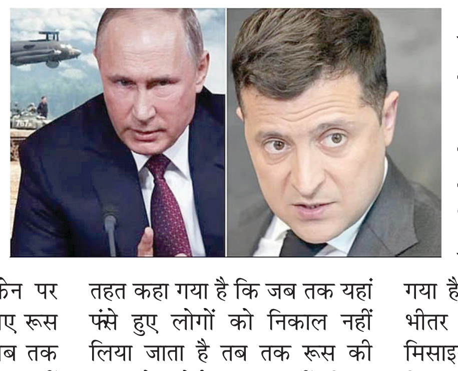

कीव (एजेंसी)। रूस की ओर से यूक्रेन पर शुरू किए गए हमलों को अब 10 दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद यूक्रेन के कई शहर अब भी रूसी सेना के नियंत्रण से बाहर हैं। अब अमेरिका और नाटो के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि यूक्रेन पर अपना कब्जा जमाने के लिए रूस तब तक बम बरसाएगा, जब तक सभी शहर खुद आत्मसमर्पण नहीं कर देते। अफसरों ने कहा कि रूस के हवाई हमलों की वजह से आने वाले दिनों में आम नागरिकों के मारे जाने का आंकड़ा और ज्यादा बढ़ सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले नाटो ने खुद यूक्रेन के हवाई मार्ग को नो फ्लाई जोन घोषित करने से इनकार कर दिया था।

रूस ने यूक्रेन में फंसे लोगों को निकालने के लिए सीजफायर का एलान किया है। भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े 11 बजे सीजफायर किया जाएगा। इसके तहत कहा गया है कि जब तक यहां फंसे हुए लोगों को निकाल नहीं लिया जाता है तब तक रूस की तरफ से कोई हमला नहीं किया जाएगा।

यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने के लिए रूस तैयार

रूसी राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि रूस, भारतीय छात्रों और अन्य विदेशी नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के लिए तैयार है।

युद्ध के 10वें दिन भी रूस आक्रामक नजर आ रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि उसने पूर्वी यूक्रेन पर ड्रोन से अटैक कर आइदर बटालियन पोस्ट को तबाह कर दिया।

रूस ने एक सप्ताह के भीतर यूक्रेन पर 500 से अधिक मिसाइलों से हमला किया

यूक्रेन की एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि रूस ने एक सप्ताह के भीतर यूक्रेन पर 500 से अधिक मिसाइलों से हमला किया है। हर दिन 24 अलग-अलग मिसाइलें भी लॉन्च कर रहा है।

यूक्रेन से एक स्पेशल फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर एक स्पेशल फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। एक छात्रा ने बताया कि हमारे लिए वहां रहना बहुत कठिन था, हम भारत सरकार का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने हमें वहां से निकालकर यहां वापस लाए। वापस आकर हम बहुत खुश हैं।

पूरा होगा 'खेलबो, जीतबो, गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' का सपना, 7 खेलो इंडिया सेंटर को मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेलो इंडिया स्कीम के तहत 7 खेलो इंडिया केंद्र खोलने की मंजूरी दे दी है। ये 7 केंद्र अलग-अलग जिलों में एक-एक खेल के लिए खोले जाएंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आर्चरी और हॉकी के लिए दो-दो केंद्र, वॉलीबाल, मलखम्ब और फुटबाल के लिए एक-एक केंद्र की मंजूरी दी गई है।

इन खेलों के खिलाड़ियों का चयन कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोचों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा इन केंद्रों को वित्तीय सहायता दिए जाएंगे। सीएम भूपेश ने छत्तीसगढ़ में 7 खेलो इंडिया केंद्र की मंजूरी मिलने पर कहा है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का अच्छा मौका मिलेगा। आने वाले समय में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रौशन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह 'खेलबो जीतबो गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के सपने को साकार करने में एक और सार्थक कदम है।

राजनांदगांव व जशपुर को कहते हैं हॉकी की नर्सरी

राजनांदगांव और जशपुर हॉकी की नर्सरी के रूप में विख्यात है। इन शहरों ने हॉकी के कई खिलाड़ी दिए हैं, अब नई पीढ़ी को बेहतर प्रशिक्षण से अवसर मिलेगा। बस्तर क्षेत्र अब तक खेलों में उपेक्षित रहा था। नारायणपुर में मलखम्भ की विशेष प्रतिभाओं के देखकर सीएम ने इन्हें अकादमी देने की घोषणा की थी। सरगुजा में फुटबॉल के खिलाड़ियों को नया अवसर भी मिलेगा। आने वाले समय में खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रौशन करेंगे।

संचालनालय से भेजा गया था प्राधिकरण को प्रस्ताव

खेल संचालनालय ने खेलो इंडिया सेंटर प्रारंभ करने का प्रस्ताव भारतीय खेल प्राधिकरण को भेजा गया था, जिसमें से शिवतराई बिलासपुर में तीरंदाजी सेंटर, बीजापुर में तीरंदाजी सेंटर, राजनांदगांव में हॉकी सेंटर, जशपुर में हॉकी सेंटर, गरियाबंद में व्हालीवॉल सेंटर, नारायणपुर में मलखम्भ सेंटर और सरगुजा में फुटबॉल खेल की खेलो इंडिया सेंटर शुरू करने की स्वीकृति भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा दी गई है। इन केंद्रों के खुलने के बाद छत्तीसगढ़ में खेलों का प्रशिक्षण अब और मजबूत होगा। खेलो इंडिया सेंटर्स को शुरू करने खेल संचालनालय द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी।

राज्य गठन के बाद इतने सेंटर पहली बार खुलेंगे

यह पहला अवसर है जब छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को राज्य गठन के बाद से बड़े अवसर मिलेंगे। सीएम भूपेश बघेल ने बीजापुर अकादमी का दौरा कर वहां तीरंदाजी सेंटर प्रारंभ करने का वादा खिलाड़ियों से किया गया था। शिवतराई बिलासपुर में स्थानीय बच्चों की तीरंदाजी खेल में रुचि और प्रतिभा को देखते हुए सीएम ने इसे राज्य स्तर पर खेल अकादमी का दर्जा दिलाने की बात कही थी, जो अब पूरा हो जाएगा।

निधन: हार्ट अटैक आने से पहले क्रिकेट देख रहे थे शेन वॉर्न, दोस्तों ने की बचाने की कोशिश पर सफल नहीं हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेट शेन वॉर्न का थाइलैंड में निधन हो चुका है। थाइलैंड पुलिस के अनुसार उनके दोस्तों ने 20 मिनट तक उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वो सफल नहीं हुए। माना जा रहा है कि दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हुई है। उनका निधन होने से पहले वो क्रिकेट देख रहे थे। 52 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाले वॉर्न सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं। वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम एक हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं।

शेन वॉर्न और उनके दो दोस्त थाइलैंड में एक बंगले में रुके हुए थे। सभी दोस्त साथ में रात का खाना खाने वाले थे, लेकिन वॉर्न खाने में नहीं पहुंचे तो एक दोस्त उनके कमरे में गया। यहां वॉर्न की हालत ठीक नहीं थी। उनके दोस्त ने एंबुलेंस को बुलाया और मुंह से सांस देने की कोशिश की, लेकिन वॉर्न की हालत में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसके बाद एक अपतकालीन टीं पहुंची और उसने भी 10-20 मिनट तक सीपीआर दिया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। इसके बाद एंबुलेंस वहां पहुंची और वार्न को हॉस्पिट ले जाया गया। यहां भी पांच मिनट तक उन्हें सीपीआर दिया गया और उनकी मौत हो गई।

दिल का दौरा पड़ने से पहले क्रिकेट देख रहे थे वॉर्न

शेन वॉर्न दिल का दौरा पड़ने से पहले क्रिकेट देख रहे थे। उनके दोस्त इर्स्किन ने बताया है कि वॉर्न के बारे में लोगों का मानना था कि वो बहुत बड़े शराबी थे, लेकिन ऐसा नहीं था। वो शराब नहीं पी रहे थे। उन्हें अपना वजन कम करना था। इस वजह से वे डाइट पर थे। इर्स्किन ने सालों पहले वार्न को वाइन की एक क्रेट दी थी, जो आज भी रखी हुई है। वॉर्न अपने बच्चों के साथ रहना चाहते थे। उन्हें पोकर और गोल्फ खेलना पसंद था। वे घंटों तक गोल्फ खेलते रहते थे।

संपादकीय

धमाके से सबक

भागलपुर में हुआ हादसा न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भागलपुर के तातारपुर थाना क्षेत्र के काजवलीचक मोहल्ले में गुरुवार रात करीब पौने 12 बजे एक घर में जोरदार धमाका हुआ, जिससे कुल तीन घर जमींदोज हो गए। दस से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। बताया जाता है कि एक घर में पटाखे बनाने का काम चल रहा था और एक परिवार की आपराधिक गलती की वजह से अनेक परिवारों पर आपदा टूट पड़ी। पटाखे बनाने का काम कितना खतरनाक है, शायद इसका एहसास निर्माण में जुटे लोगों को नहीं था और इसी वजह से तबाही का मंजर सामने आया है। पुलिस को हादसे की तह में जाकर देखना चाहिए कि आखिर किस तरह के पटाखे का निर्माण हो रहा था? किस तरह के रसायन का उपयोग हो रहा था? ऐसे विस्फोटक आखिर एक बस्ती में पहुंचे कैसे?

> उस विस्फोट से भी भागलपुर दहल गया था, लेकिन शायद प्रशासन की तंद्रा नहीं टूटी, इसलिए फिर यह हादसा हो गया। यथोचित कार्रवाई नहीं हुई होगी, इसलिए अपराधियों और अवैध धंधा करने वालों को फिर कहर ढाने का मौका मिल गया। पुलिस किसी भी राज्य की हो, ऐसे खतरनाक अपराधों या कृत्यों के प्रति उसका संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। मामला पटाखे या बंदूक निर्माण का हो या अवैध शराब निर्माण का, फौरी कार्रवाई करके अपराधियों को छोड़ने की कुप्रवृत्ति का अंत होना चाहिए। आज समाज में किसी भी तरह के अपराध को अगर हम छिपाएंगे, तो स्वयं अपने भविष्य के लिए ही बड़े खतरे पैदा करेंगे।

जिला प्रशासन ने इस मामले में एक इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है, लेकिन क्या इस हादसे के लिए केवल एक ही व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या हम मानव जीवन का मोल नहीं समझ पा रहे हैं? क्या हम हादसे की गंभीरता नहीं समझ पा रहे हैं? बिना मंजूरी अगर निर्माण हो रहा था, फिर तो स्थानीय स्तर पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल पटाखे बनाने वालों को ही नहीं, बल्कि इसका अवैध कारोबार करने वालों को भी दबोचना चाहिए। प्रदेश में कानून-व्यवस्था का जब राज है, तब ऐसे अवैध निर्माण व खरीद-बिक्री की जरूरत क्यों है? यहां जिस तरह के पटाखे बनाए जा रहे थे, क्या उनके ग्राहक बिहार के बाहर के हैं? विस्तार में देखना चाहिए कि भागलपुर आधी रात को क्यों थर्रा उठा? अनेक घायलों का इलाज चल रहा है, इनसे भी पूछताछ होनी चाहिए। ऐसा हो नहीं सकता कि यहां विस्फोटक सामग्री के बारे में किसी को न पता हो। क्या अपने देश में लोग ऐसे खतरों के प्रति सजग नहीं हैं? क्या हमने अपने आसपास की आपराधिक गतिविधियों की ओर से आंखें मूंदना सीख लिया है? फोरेंसिक टीम और खुफिया पुलिस पर जिम्मेदारी है कि हादसे की पूरी सच्चाई सामने आए।

सूचना यह भी सामने आई है कि पीड़ित परिवारों में से एक पटाखा बनाने का काम करता था और इनके घर पहले भी विस्फोट की घटना हो चुकी है। इस सूचना के साथ ही यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। काजवलीचक आखिर 14 साल बाद दोबारा भीषण विस्फोट का गवाह कैसे बना है? उस विस्फोट में भी तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। उस विस्फोट से भी भागलपुर दहल गया था, लेकिन शायद प्रशासन की तंद्रा नहीं टूटी, इसलिए फिर यह हादसा हो गया। यथोचित कार्रवाई नहीं हुई होगी, इसलिए अपराधियों और अवैध धंधा करने वालों को फिर कहर ढाने का मौका मिल गया। पुलिस किसी भी राज्य की हो, ऐसे खतरनाक अपराधों या कृत्यों के प्रति उसका संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। मामला पटाखे या बंदूक निर्माण का हो या अवैध शराब निर्माण का, फौरी कार्रवाई करके अपराधियों को छोड़ने की कुप्रवृत्ति का अंत होना चाहिए। आज समाज में किसी भी तरह के अपराध को अगर हम छिपाएंगे, तो स्वयं अपने भविष्य के लिए ही बड़े खतरे पैदा करेंगे।

> द्विपक्षीय मुर्द्रा व्यवस्था से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग यथावत कायम रहा है और भारत ने अमेरिकी कानून, 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस ऐक्ट '(सीएएटीएसए) के चलते प्रतिबंधों के खतरे का सामना भी किया है। तय है, लंबे समय तक तनाव के कायम रहने से भारत पर किसी एक का पक्ष लेने का दबाव बढ़ जाएगा। अभी तक भारत ने ऐसा केवल इसलिए नहीं किया है, क्योंकि भू-राजनीतिक स्थिति भारत को युद्ध के सभी नायकों से अलग-अलग तरीकों से जोड़ती है। मौजूदा खराब स्थिति के सुधरने के बाद भी ऐसा ही रहेगा।

तनाव टिका तो बढ़ेंगी मुश्किलें

पी एस राघवन, पूर्व भारतीय राजदूत, रूस

जब यूक्रेन में युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है, तब रूस की बढ़त और यूक्रेनी रक्षा कामयाबी की रिपोर्ट मीडिया एजेंसियों और देशों में अलग-अलग है। संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों ने रूस पर प्रतिबंधों का सबसे कठोर पैकेज थोपा है, जो अभूतपूर्व है, जिससे अमेरिका के सहयोगियों की भागीदारी व्यापक रूप से बढ़ गई है। प्रतिबंधों पर भारत की स्थिति यह है कि ये प्रतिबंध तब तक अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं, जब तक संयुक्त राष्ट्र उन्हें अनुमोदित नहीं करता है। यह रुख आज अजीब लगता है, जब देशों पर लगने वाले प्रतिबंध राजनय के हथियार बन गए हैं, जब किसी कमजोर के मामले में मजबूत के आर्थिक लाभ पर जोर दिया जाता है। अब तो माध्यमिक प्रतिबंध भी हैं, जिनके तहत किसी तीसरे देश को भी दंडित किया जा सकता है, क्योंकि वह किसी का पक्ष ले रहा है। ऐसे दंडित किया जाना वास्तव में किसी मजबूत देश के विशेषाधिकार हैं।

साल 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगियों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों के लिए रूस पर कई प्रतिबंध लगाए थे। वीजा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती, क्षेत्र और प्रौद्योगिकी विशिष्ट प्रतिबंध भी लगे थे, डॉलर और यूरो में व्यापार की भी सीमा तय की गई थी। बेशक, पिछले वर्षों में उन्होंने रूसी अर्थव्यवस्था के विकास को सीमित कर दिया, मगर रूस को घुटनों पर नहीं ला सके। इसका प्रमुख कारण रूसी हाइड्रोकार्बन और अन्य वस्तुओं पर भारी वैश्विक निर्भरता है, इसलिए प्रतिबंध के बावजूद पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं को बड़े दुष्प्रभाव से बचाने के लिए रूस में व्यापार व निवेश की पर्याप्त गुंजाइश थी।

सैन्य हमलों, दोतरफा गोलीबारी में फंसे नागरिकों की भयानक छवियों, युद्ध क्षेत्रों से लोगों के भागने और बम हमले से बचने के लिए छिपने की घटनाओं पर अभी ज्यादा ध्यान है। अपने खुद के सेंट्रल बैंक के भंडार तक रूस की पहुंच बाधित करने के साथ ही पश्चिमी वित्तीय बाजारों से रूस के प्रमुख बैंकों को बाहर करने के उपाय करने और रूस को वैश्विक बैंकिंग प्रणाली से काटकर रूसी अर्थव्यवस्था का गला घोंटने की कोशिश दिखती है। बहुराष्ट्रीय तेल कंपनियों ने रूस से अपना अरबों डॉलर का निवेश निकालने की घोषणा की है। विदेशी शिपिंग, रसद, प्रौद्योगिकी और विनिर्माण कंपनियों ने रूस के साथ अपना व्यापार टाल दिया है। अमेरिका व यूरोप अपने अधिकार क्षेत्र में रूसी कुलीन वर्गों की संपत्तियों को निशाना बनाएंगे। प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भी रूस के साथ काफी कड़ाई की जा रही है।

हालांकि, यह ऐतिहासिक सत्य है कि प्रतिबंध शायद ही कभी किसी धुर-विरोधी को रोक पाते हैं। लेकिन ऐसे प्रतिबंध समय के साथ आर्थिक व सैन्य ताकत को कम जरूर कर देते हैं। ऐसे प्रतिबंध दोधारी तलवार की तरह भी हैं, जिनसे प्रतिबंध लगाने वाले देशों को भी दर्द होता है। लेकिन ध्यान रहे, समेकित राजनीतिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंध सामान्य से बहुत आगे की बात है, यह एक गहरी 'सर्जिकल स्ट्राइक' है, जिसका उद्देश्य तत्काल नतीजे प्राप्त करना है। अब सवाल यह है कि क्या और कितनी जल्दी पश्चिमी प्रतिबंधों के मकसद को समेटा या पूरा किया जा सकता है?

व्लादिमीर पुतिन के लिए युद्ध का मकसद यूक्रेन का विसैन्यीकरण है, लेकिन इससे अंततः क्या होगा, इसका खुलासा नहीं होता है। मोटे तौर पर, रूस के लिए स्वीकार्य परिणाम एक ऐसा समझौता हो सकता है, जो यूक्रेन की तटस्थता और रूस के दायरे में नाटो के जवानों व हथियारों की तैनाती न करने की गारंटी देता हो। वैसे अमेरिका और उसके सहयोगियों ने अपने प्रतिबंधों के अंतिम स्वरूप का अभी खुलासा नहीं किया है। उनको उम्मीद है कि दमदार बाहरी दबाव से पैदा आर्थिक व्यवधान और असंतोष राष्ट्रपति पुतिन को मजबूर कर देगा। कुछ लोग यह भी उम्मीद कर सकते हैं कि विरोध की लहर पुतिन को बेदखल भी कर सकती है। नाटो के लिए यह न्यूनतम मकसद है कि यूक्रेन से रूसी सैनिक लौट जाएं। नाटो देश यूक्रेन सहित रूस के आसपास के देशों की सुरक्षा की गारंटी भी चाहेंगे। वे स्वाभाविक रूप से चाहेंगे कि रूस जल्द से जल्द सामने आए, ताकि प्रतिबंधों की जरूरत को जायज ठहराया जा सके। इस बीच, नाटो देशों की अर्थव्यवस्थाएं तेजी से दर्द महसूस करेंगी। वैश्विक स्तर पर चीजों की कीमतें बढ़ेंगी। वैसे, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की है कि अमेरिका और 30 अन्य देश तेल की कीमतों को कम करने के लिए दुनिया भर के रणनीतिक भंडारों से 60 मिलियन बैरल तेल जारी करेंगे, यह एक दिन की वैश्विक तेल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है।

जैसी स्थिति दिखती है, निराशाजनक ही है, इसलिए रूसी कार्रवाई और पश्चिम की कड़ी प्रतिक्रिया के बीच समझौते के लिए एक खिड़की बनाई जा सकती है। रूस की वार्ता-शक्ति सैन्य नतीजों और घरेलू लचीलेपन से तय होगी; पश्चिम की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि वह प्रतिबंधों के दर्द को कब तक झेल सकता है। जो समझौता उभरेगा, क्या वह मौजूदा घावों पर केवल सामान्य मरहम-पट्टी की तरह होगा या अंतर्निहित समस्याओं को गहराई से संबोधित करेगा। आज यह एक खुला सवाल है, जब यूरोपीय सुरक्षा का ढांचा टूट गया है। अब कोई संदेह नहीं, युद्ध और प्रतिबंधों के चलते अनेक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से भारत स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगा। वैसे रूस के साथ हमारे द्विपक्षीय आर्थिक संबंध कम प्रभावित होंगे। साल 2014 के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों का भारत ने विरोध किया था, लेकिन अनेक कारणों से रूसी बाजारों में हमारे व्यवसायों पर सीमित जोखिम था। द्विपक्षीय मुर्द्रा व्यवस्था से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग यथावत कायम रहा है और भारत ने अमेरिकी कानून, 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस ऐक्ट '(सीएएटीएसए) के चलते प्रतिबंधों के खतरे का सामना भी किया है। तय है, लंबे समय तक तनाव के कायम रहने से भारत पर किसी एक का पक्ष लेने का दबाव बढ़ जाएगा। अभी तक भारत ने ऐसा केवल इसलिए नहीं किया है, क्योंकि भू-राजनीतिक स्थिति भारत को युद्ध के सभी नायकों से अलग-अलग तरीकों से जोड़ती है। मौजूदा खराब स्थिति के सुधरने के बाद भी ऐसा ही रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिना सबक युद्ध-दर-युद्ध बढ़ती गई दुनिया

विजय विद्रोही

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में नए-पुराने का मिश्रण दिख रहा है। टैंकों से भी चढ़ाई हो रही है। साइबर युद्ध भी लड़ा जा रहा है, और परमाणु हथियारों का डर भी दिखाया जा रहा है। आर्थिक प्रतिबंधों का भी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। दो विश्व युद्ध यूरोप झेल चुका है। ऐसे में, यूरोप में युद्ध फिल्मकारों का प्रिय विषय रहा है। युद्ध की विभीषिका के जरिये संवेदनाओं को जगाने की कोशिश फिल्मकार करते रहे हैं। इसमें यूक्रेन के फिल्मकार भी शामिल रहे हैं। फिल्मकार भी कभी क्रीमिया, कभी डोनाबास और कभी पूरे यूक्रेन के बहाने रूस के इरादों पर सवाल उठाते रहे हैं। यूरोपीय संघ को आगाह करते रहे हैं। अमेरिका को चेताते रहे हैं। आज जब युद्ध चल रहा है, तो ऐसी ही कुछ फिल्मों को याद करना जरूरी है। क्रीमिया को लेकर निर्देशक नरीमन एलीव की फिल्म होमवार्ड याद आती है। 2019 में बनी इस फिल्म में बाप-बेटे की कहानी है। एक बाप अपने छोटे बेटे के साथ अपने बड़े बेटे का शव लेकर क्रीमिया जा रहा है, जहां वह पारिवारिक रस्म के साथ बेटे का दाह संस्कार करना चाहता है। बेटा फौज में था और क्रीमिया को बचाने के एवज में रूसी सेना के हाथों मारा गया। फिल्म में रूसी सेना की तरफसे किए गए अत्याचार को दर्शाया गया है।

साल 2019 में ही एक अन्य फिल्म एटलान्टिस आई थी। इस फिल्म को 76वें वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला था। निर्देशक वेलेंटाइन वासनोविच ने उसी समय भविष्य में होने वाले यूक्रेन-रूस युद्ध की परिकल्पना कर ली थी। फिल्म का कथानक 2025 का रखा गया। वैसे भी, 2014 के बाद से ही यूक्रेन में युद्ध जैसे हालात बने हुए थे। डोनाबास और क्रीमिया से दस लाख से भी ज्यादा लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए थे। हर दूसरे या तीसरे दिन कहीं न कहीं लोगों के मारे जाने की खबरें आती रहती थीं। फिल्म में बताया गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ता है और इसमें एक अकेले आदमी के जरिये समूची विभीषिका को सामने रखा गया है। एक आदमी का सब कुछ किस तरह युद्ध छीन लेता है और उसके साथ कोई नहीं होता। फिर भी युद्ध जारी रहता है और युद्ध आज भी जारी है। फिल्म तो 2025 को लेकर बनाई गई थी, लेकिन युद्ध 2022 में ही शुरू हो गया। यहां उस भारतीय पिता की व्यथा को भी जोड़कर देखा जा सकता है, जिसका बेटा अपने खाने का इंतजाम करने बंकर से निकला और मारा गया।

एटलान्टिस के निर्देशक वेलेंटाइन वासनोविच ने ही 2021 में रिफ्लेक्शन नाम की फिल्म बनाई। इस फिल्म में एक नौजवान डॉक्टर की कहानी है, जो डोनाबास में रूसी सेना के हाथों घायल हुए आम नागरिकों का उपचार करने में लगा है। इस डॉक्टर को रूसी सैनिक अपने साथ ले जाते हैं। डॉक्टर को भयंकर यंत्रणा और हिंसा के दौर से गुजरना पड़ता है। निर्देशक का कहना था कि उन्होंने यह फिल्म यूरोपीय संघ के देशों को ध्यान में रखकर बनाई थी कि कैसे उनके दरवाजे पर ही निहत्थों पर अत्याचार हो रहा है और यूरोप के अमीर देश आंखें मूंदे बैठे हैं। इस बहाने सभ्य दुनिया से भी सवाल पूछा गया कि उसकी खामोशी का आखिर मतलब क्या है?

इस विषय को नताल्या वोरजबिट ने 2020 में बनी अपनी फिल्म बैड रोड्स में भी उठाया था। यहां भी डोनाबास की ही कहानी सामने रखी गई थी। चार आम नागरिकों की जिंदगी कैसे युद्ध से बदल जाती है। कैसे रोज-रोज बम धमाके, आग, हिंसा, लाशें, मौतें, उजड़ी इमारतों को देखते-देखते इन लोगों के दिलोदिमाग से युद्ध का डर खत्म हो जाता है। निर्देशक का कहना था कि ऐसी कहानियां हम दादा-परदादा से सुना करते थे, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध की त्रासदी देखी थी। कहा गया था कि दुनिया ने सबक सीखा है, दुनिया ज्यादा संवेदनशील और बेहतर हुई है, लेकिन यह सब गलत निकला। आज भी हम उसी दौर से गुजरने के लिए मजबूर हैं, जिनसे हमारे दादा-परदादा गुजरे थे। उस फिल्म में बताया गया है कि दुनिया आगे नहीं बढ़ रही है, बल्कि गोल-गोल घूम रही है। वही पुरानी गलतियां फिर-फिर से कर रही है। इस फिल्म में बड़ी खूबसूरती से बताया गया है कि आज की पीढ़ी विकास चाहती है, युद्ध नहीं। लेकिन क्या यह बात युद्ध के पक्षधर देशों को समझ में आएगी?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

चिटफंड कंपनियों द्वारा ठगे हुए पैसे जनता को वापस मिल रहे, अब तक 17 हजार से अधिक निवेशकों को 11 करोड़ से भी ज्यादा रकम की वापसी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर फर्जी चिटफंड कंपनियों के संचालकों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है , साथ ही निवेशकों को सीधे उनके खाते में निवेश की हुई रकम वापस मिल रही है । राज्य में अब तक 16 चिटफंड कंपनियों के कुल 16 करोड़ 95 लाख 65 हजार 170 रुपए की सम्पत्तियों की नीलामी /वसूली की जा चुकी है। 17 हजार 404 निवेशकों को कुल 11 करोड़ 22 लाख 72 हजार 679 रुपए की धनराशि वापस की गई है । उल्लेखनीय है कि देश में छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य है जहां फर्जी चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वालों की राशि लौटाई जा रही है। शासन-प्रशासन द्वारा लगातार इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चिटफंड कंपनी के संचालकों पर कार्रवाई की जा रही है । इस मामले पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने दो महीने पहले ही गृह विभाग को रकम वापसी और संचालकों को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ में चिटफंड कंपनियों की संपत्ति कुर्क कर निवेशकों को पैसे लौटाने की प्रक्रिया जारी है। जिला स्तर पर चिटफंड कंपनियों में फंसे रकम की वापसी पर मजबूती से काम किया जा रहा है। अब तक चिटफंड कंपनियों में फंसे 17 हजार 4 सौ चार निवेशकों की 11 करोड़ 22 लाख 72 हजार 679 रुपए की वापसी की गई है। दुर्ग में राशि 16 लाख 4 हजार रूपए, राजनांदगांव में 16 हजार 8 सौ 93 निवेशकों को 10 करोड़ 76 लाख 37 हजार 959 रूपए, बिलासपुर में 4 सौ 74 निवेशकों को 24 लाख 20 हजार रूपए, बेमेतरा में 5 निवेशकों को 2 लाख 22 हजार 220 रूपए, सूरजपुर में 12 निवेशकों को 1 लाख 24 हजार 900 रूपए, जशपुर में 9 निवेशकों को 1 लाख 68 हजार 600 रुपए, जांजगीर-चापा में 7 निवेशकों को राशि 95 हजार रूपए की राशि लौटाई गई है।

पुलों से जुड़ते गांव : लोगों को मिल रही आवागमन सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आवागमन की सुविधा सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बारहमासी सड़क की सुविधा मिलने से गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी जरूरी सुविधा का लाभ उठाने आसान हो जाता है। व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलता है। राज्य शासन ने विगत तीन वर्षों में आवागमन की सुविधा को बढ़ाने के लिए पुल-पुलिया व सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी है।

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के सेमरदर्री-पसान मार्ग में सुखाड़ नाला पर उच्च स्तरीय पुल सह पहुंच मार्ग बनने से 7 गांवों के 9 हजार लोगों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। कंचनडीह-बारीउरांव मार्ग में सोन नदी पर पुल सह पहुंच मार्ग बनने से 10 गांवों के 12 हजार से अधिक ग्रामीणों को और बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग में गौरेला के पास ओवरब्रिज से निर्बाध यातायात की सुविधा मिल रही है। सुखाड़ नाला पर पुल के बन जाने से मरवाही से पसान (कोरबा) की दूरी 10 किलोमीटर कम हो गई है। पहले लोगों को मरवाही से कोटमी होते हुए पसान जाना पड़ता था, जिसकी दूरी लगभग 40 किलोमीटर है। अब सीधे मरवाही से सेमरदर्री होते हुए पसान जाने की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। यह उच्च स्तरीय पुल 5.29 करोड़ रूपए की लागत से 14 जून 2021 को बनकर तैयार हुआ है। पुल की लम्बाई 135 मीटर है। पुल के बनने से मरवाही सहित आसपास के गांव बंसीताल, दानीकुंडी, सेमरदर्री, मगुरदा, करगीकला एवं मटियाडांड के ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। वहीं कंचनडीह-बारीउरांव मार्ग में सोन नदी पर 2.11 करोड़ रूपये की लागत के पुल सह पहुंच मार्ग से 10 गांवों के लोगों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है। इसके अलावा बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर गौरेला के पास निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से 76.81 करोड़ रूपये की लागत से 2315 मीटर लंबाई के रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसमें 2234 मीटर पहुंच मार्ग, रिटेनिंग वॉल आदि का निर्माण किया गया है। इस रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग पर आवागमन बाधित नहीं होगी और यातायात सुचारू रूप से जारी रहेगा।

कृषि और ग्रामीण विकास को मजबूत करती शासन की सौर सुजला योजना

सौर सुजला योजना से आदिवासी अंचल में रहने वाले लोगो के जीवन मे बदलाव नज़र आ रहा है। पहुंचविहीन एवं अविद्युतीकृत क्षेत्रों में सौर सुजला योजना के माध्यम से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों के खेत लहराने लगे। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए समय पर ही पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। किसानों की पैदावार में बढ़ोत्तरी हो रही है और उनकी आय भी बढ़ रही है। इस योजना के माध्यम से जिले में वित्तीय वर्ष नारायणपुर जिले में सौर सुजला योजना अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2020-21 तक कुल 2623 सिंचाई सोलर पंपों का स्थापना कार्य किया गया है तथा वर्ष 2021-22 हेतु 600 सिंचाई सोलर पंपों का लक्ष्य प्राप्त है, जिसमें से 202 हितग्राहियों के खेतों में सोलर पंप स्थापना कार्य पूर्ण कर ली गई है। उक्त सिंचाई सोलर पंपों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानो को दोहरा फसल (साग-सब्जी इत्यादि) लेने में सुविधा हो रही है। साथ ही किसानों की आमदनी में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। सोलर पंप की स्थापना से पहले किसान केवल खरीफकी फसल ले पाते थे। अब पंप लग जाने के बाद वर्ष में दो से तीन फसल आसानी से लेने लगे है। इस योजना से कृषक काफी लाभान्वित हुए हैं एवं अनुसूचित क्षेत्र के बाहुल्य ग्रामों के ग्रामीणों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। इससे कृषि और ग्रामीण विकास को मजबूती मिल रही है। अब किसानों को सिंचाई के लिए परेशान नहीं होना पड़ता।

आकांक्षी जिलों में फोर्टिफाइड चावल का होगा वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राईस फोर्टिफिकेशन योजना के स्टीयरिंग कमेटी की पहली बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में योजना के अंतर्गत विभिन्न जिलों में फोर्टिफाइड चावल वितरण की व्यवस्था, योजना के प्रचार-प्रसार, आवश्यकतानुसार चावल भंडारण, आबंटन की स्थिति और स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला बाल विकास तथा खाद्य विभाग के समन्वय से योजना के सफल क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि योजना के अंतर्गत कुपोषण से प्रभावित क्षेत्रों में फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाना है। इसके लिए बेसलाइन सर्वे शीघ्र करें तथा हितग्राहियों की सूची तैयार कर लें। छात्रावासों और आश्रमों, आंगनबाड़ियों एवं मध्यान्ह भोजन चावल का वितरण की भी विस्तार से समीक्षा की गई। आगामी अप्रैल 2022 से राज्य के 10 आकांक्षी जिलों सहित प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समन्वय के साथ योजना का क्रियान्वयन करने कहा है। छत्तीसगढ़ में फोर्टिफाइड चावल वितरण योजना सभी जिलों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश मुख्य सचिव ने दिए है। मुख्य सचिव ने जिलों में स्थानीय भाषा के पाम्पलेट एवं अन्य माध्यमों से लोगों को योजना की जानकारी देने और फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता के संबंध में लोगों को जानकारी देने कहा गया है। कोण्डागांव जिले में फोर्टिफाइड चावल का वितरण पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने कोण्डागांव जिले में चावल के उपयोग के बाद कुपोषण की दर कम होने के संबंध में सर्वे करने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के सभी स्कूलों, आश्रमों, छात्रावासों के बच्चों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश भी दिए है। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव खाद्य श्री टोपेश्वर वर्मा, सचिव महिला एवं बाल विकास श्री भुवनेश यादव, प्रबंध संचालक मार्कफेड सुश्री किरण कौशल सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

तीन दिवसीय अखिल भारतीय जनजातीय साहित्य समारोह

जनजातीय नृत्य महोत्सव और जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर में 11 से 13 अप्रैल तक होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिवासियों के सांस्कृतिक विकास एवं संवर्धन के लिए राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय जनजातीय साहित्य समारोह, राज्य स्तरीय जनजातीय नृत्य महोत्सव एवं राज्य स्तरीय जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। यह आयोजन राजधानी रायपुर में 11 से 13 अप्रैल तक किया जाएगा।

आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक श्रीमती शम्मी आबिदी ने आज इन तीनों कार्यक्रमों की तैयारी के संबंध में गठित समितियों के पदाधिकारियों और अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के निर्देशानुसार एवं सचिव श्री डी.डी. सिंह एवं आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी के मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। बैठक में बताया गया कि अखिल भारतीय जनजातीय साहित्य समारोह के अंतर्गत कुल 10 विषयों-जनजातीय साहित्य कल आज और कल, जनजातीय परंपरा एवं संस्कृति, जनजातीय कला में गोदना, बांस शिल्प, काष्ठ शिल्प, धातु शिल्प आदि, जनजातीय भाषा-बोली, जनजातीय लोक नृत्य एवं लोकगीत, जनजातीय साहित्य में महिलाओं की भूमिका, जनजातीय विकास और समस्या, जनजातीय लोकोक्तियां, मुहावरें, लोककथाएं एवं पहेलियां आदि, जनजातीय संघर्ष एवं स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों की भूमिका आदि विषय से संबंधित शोध पत्रों पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख आदिवासी लेखकों द्वारा लिखित साहित्यिक रचनाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के लेखकों को भी शामिल किया जाएगा। जनजातीय साहित्य पर लिखी गई विभिन्न प्रकाशकों की किताबों की प्रदर्शनी भी तीन दिवसीय समारोह में लगाने के निर्देश बैठक में दिए गए, ताकि ज्यादा से ज्यादा जनजातीय साहित्य का प्रचार-प्रसार किया जा सके।

राज्य स्तरीय जनजाति नृत्य महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न विधावार आदिवासी नृत्यों की संभाग स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित कर नर्तक दलों का चयन किया जाएगा, ताकि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की जनजातियों की सभी विधाओं को प्रस्तुत किया जा सके।

राज्य स्तरीय जनजाति कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न जनजातीय कलाओं एवं चित्रकला में अभिरूचि रखने वाले प्रबुद्ध लोगों के मध्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता चार वर्गों में - 6 से 12 वर्ष, 12 से 18 वर्ष, 18 से 30 वर्ष और 30 वर्ष से अधिक वर्ग समूह के मध्य किया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता की प्रदर्शनी भी लगाए जाने के निर्देश बैठक में संबंधितों को दिए गए।

राज्य स्तर के इस आयोजन में जनजातीय संस्कृति के प्रत्येक पक्ष को समाहित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी जानकारी पहुंच सके। बैठक में इन कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए मुख्यालय स्तर पर गठित विभिन्न समितियों के प्रभारी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर होती आकांक्षी जिलों की महिलाएं : केन्द्र ने फिर की तारीफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नीति आयोग ने आकांक्षी जिले बस्तर में आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित वनोपज आधारित बस्तर फूड फर्म और आकांक्षी जिले दंतेवाड़ा में महुआ से विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार करने की पहल की सराहना करते हुए दो अलग-अलग ट्वीट किए हैं।

नीति आयोग ने बस्तर फूड फर्म और दंतेवाड़ा में महुआ से खाद्य पदार्थों के उत्पादन को सराहा

नीति आयोग ने जनजातीय अर्थव्यवस्था में महुआ के महत्व और बस्तर जिले में शुरू की गई बस्तर फूड फर्म पर ट्वीट किया है। महुआ के महत्व को रेखांकित करते हुए नीति आयोग द्वारा ट्वीट किया गया है- क्या आप जानते है, आंकाक्षी जिले दंतेवाड़ा में, महुआ जनजातीय अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है? इस ट्वीट में लिखा है कि महुआ पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर एक मीठा फूल है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में महुआ से लड्डू, चाय, जैम, जेली और कुकीज जैसे विभिन्न खाद्य पदार्थ बनाए जा रहे हैं। इस ट्वीट में हाईजीन के मापदंडों के साथ किचन में महुआ के उत्पाद तैयार करती महिलाओं और महुआ लड्डू का चित्र दर्शाया गया है। इसी तरह नीति आयोग ने बस्तर जिले में शुरू की गई वनोपजों पर आधारित बस्तर फूड फर्म में खाद्य पदार्थ तैयार करती महिलाओं का चित्र प्रदर्शित करते ट्वीट में लिखा है कि आकांक्षी जिले बस्तर में बस्तर फूड फर्म का लक्ष्य लोगों को वनों से मिलने वाले खाद्य पदार्थों से स्वास्थ्य को होने वाले लाभों के प्रति जागरूक करना है। बस्तर फूड फर्म से आदिवासी समुदाय के लिए आजीविका के अवसर मिल रहे हैं और महिला सशक्तिकरण के जरिए महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं।

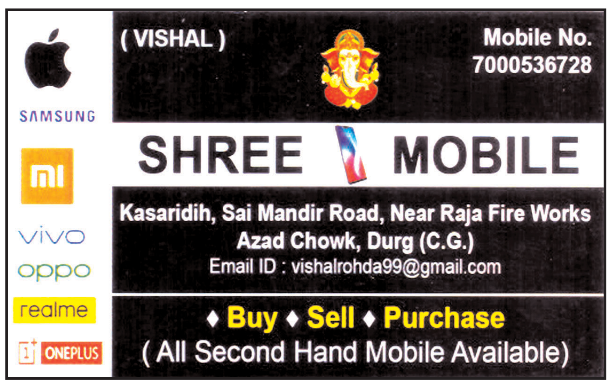

खास खबर

छत्तीसगढ़ में 18 वर्ष से अधिक के 82 प्रतिशत और 15 से 18 वर्ष की 43 प्रतिशत आबादी को कोरोना से बचाव के दोनों टीके लगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लोगों का तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। प्रदेश में एक करोड़ 68 लाख 69 हजार 073 नागरिकों को कोरोना से बचाव का दोनों टीका लगाया जा चुका है। राज्य में टीकाकरण के लिए पात्र 18 वर्ष से अधिक की 82 प्रतिशत और 15 से 18 वर्ष के 43 प्रतिशत किशोरों को दोनों टीके लग चुके हैं। यहां तीन लाख 78 हजार 611 स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा 60 वर्ष से अधिक के लोगों को प्रिकॉशन डोज भी लगाया जा चुका है।

राज्य में 18 वर्ष से अधिक के शत-प्रतिशत और 15 से 18 वर्ष की 67 प्रतिशत जनसंख्या को पहला टीका लग चुका है। यहां 18 वर्ष से अधिक के एक करोड़ 97 लाख 57 हजार 492 नागरिकों और 15 से 18 वर्ष के 11 लाख पांच हजार 719 किशोरों को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सात लाख सात हजार 663 बच्चों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। दोनों आयु वर्गों में पहली और दूसरी तथा प्रिकॉशन डोज को मिलाकर प्रदेश भर में अब तक (3 मार्च तक) कुल तीन करोड़ 81 लाख दस हजार 895 टीके लगाए गए हैं।

कस्टम मिलिंग के लिए धान के उठाव में तेजी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार कस्टम मिलिंग के लिए धान का तेजी से उठाव जारी है। राज्य में 3 मार्च तक 88.18 लाख मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। छत्तीसगढ़ द्वारा केन्द्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी तेजी से काम किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय पूल में 25.61 लाख मीटरिक टन चावल जमा कराया जा चुका है। इनमें भारतीय खाद्य निगम में 14.01 लाख मीटरिक टन और नागरिक आपूर्ति निगम में 11.60 लाख मीटरिक टन चावल शामिल है।

खाद्य सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की पहल पर इस वर्ष धान खरीदी के साथ ही कस्टम मिलिंग के लिए धान का तेजी से उठाव किया जा रहा है। अब तक डीओ और टीओ के माध्यम से 88.18 लाख मीटरिक टन धान का रिकार्ड उठाव हो चुका है। श्री वर्मा ने बताया कि 69 लाख 50 हजार मीटरिक टन धान का डीओ जारी कर दिया गया है। उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स द्वारा 66 लाख 04 हजार मीटरिक धान का उठाव कर लिया गया है। इसी प्रकार 23 लाख 37 हजार मीटरिक टन धान के परिवहन के लिए टी.ओ. जारी किया गया है। जिसके विरूद्ध समितियों से 22 लाख 14 हजार मीटरिक टन धान का उठाव हो चुका है। धान खरीदी केन्द्रों से धान का उठाव और कस्टम मिलिंग भी युद्ध स्तर पर जारी है। इस साल केन्द्रीय पूल में 61.65 लाख मीट्रिक टन अरवा चावल जमा कराया जाना है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवसः राजधानी में महिला मड़ई का आयोजन आज से

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में 05 से 08 मार्च तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय महिला मड़ई का आयोजन किया जाएगा। मड़ई का उद्घाटन महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया द्वारा 5 मार्च को शाम 6 बजे किया जाएगा। मड़ई में राज्य की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर बिक्री की जाएगी। यहां महिलाओं के सशक्त होते कदमों और आत्मनिर्भर बनते जीवन की झलक दिखाई देगी। बीटीआई ग्राउंड में 07 मार्च को राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन होगा। 08 मार्च को बीटीआई ग्राउण्ड से सुबह महिलाओं की साइकिल रैली निकाली जाएगी। यह रैली शंकर नगर से होते हुए केनाल रोड से गुजरते हुए भगतसिंह चौक पहुंचेगी और बीटीआई ग्राउण्ड (शंकर नगर) में समाप्त होगी।

सेहतमंद रहने के साथ घर-आंगन की खूबसूरती भी बढ़ाएं

रायपुर। घर को मच्छरों से मुक्त रखना आजकल बहुत कठिन हो गया है। कई तरह के उपायों के बाद भी मच्छर पीछा नहीं छोड़ते। घर के किसी न किसी कोने से निकल ही आते हैं। मच्छर खुद तो आते ही हैं, अपने साथ बीमारियों का पुलिंदा लेकर भी आते हैं। बीमारियां भी ऐसी-ऐसी जो जल्दी पीछा नहीं छोड़तीं। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फाइलेरिया, वायरल बुखार इत्यादि। हम मच्छरों से निजात पाने के लिए अकसर केमिकल से बने कई उत्पादों का बाजार से खरीदकर इस्तेमाल करते हैं। ये हमारी त्वचा और शरीर के लिए बहुत नुकसानदायक होते हैं। मच्छरों से बचने के अनेक प्राकृतिक तरीके भी हैं। हम प्रकृति के साथ रहकर बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के इससे निजात पा सकते हैं।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिव्यांगजन एवं संस्थाएं हुई सम्मानित

समाज में अच्छे काम दूसरों के लिए बनते हैं प्रेरणाः अनिला भेंड़िया

राज्य स्तरीय समारोह में समाज कल्याण मंत्री ने किया सम्मान

शासन के खर्च पर दुबई जाएगी नेत्रहीन पैराएथलीट कुमारी ईश्वरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों और दिव्यांगजनों को राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंड़िया ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने पैराएथलेटिक में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णपदक प्राप्त करने वाली महासमुंद जिले की नेत्रहीन बालिका कुमारी ईश्वरी निषाद के खेलने के लिए दुबई जाने का खर्च विभाग द्वारा वहन करने की घोषणा की। समाज कल्याण विभाग द्वारा माना कैम्प स्थित संचालनालय परिसर में आयोजित समारोह में राज्य सभा सांसद छाया वर्मा, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, विभिन्न जिलों से आए दिव्यांगजन और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह में अतिथियों ने विभागीय मेन्युअल पुस्तिका, शराब व्यसन मुक्ति पुस्तिका और ब्रेल कैलेण्डर का भी विमोचन किया।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि राज्य सरकार सभी जरूरतमंद और आभावग्रस्त व्यक्तियों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है और उनके साथ खड़ी है। राज्य सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाने मैदानी स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों और संस्थाओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, निराश्रित और उभयलिंगी व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए समाज के लोग और संस्थाएं भी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ विभाग की मदद कर रहे है। दिव्यांग युवाओं को रोजगार देने के

लिए नुक्कड़ टी-कैफे की पहल सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि समाज में संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा किए गए अच्छे काम दूसरों को भी प्रेरित करते है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को बताते हुए लोगों को उसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। राज्य सभा सांसद छाया वर्मा ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि समाज के लिए अच्छे काम दूसरों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते है। ज्ञानेश शर्मा ने समाज कल्याण के लिए किए गए काम को संत कार्य बताया और विभाग की सराहना करते हुए आगे भी अच्छे काम के लिए शुभकामनाएं दी।

समारोह में निःशक्तजन के कल्याण हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वोत्तम जिले की श्रेणी में जांजगीर-चांपा जिला, सर्वोत्तम दिव्यांग कर्मचारी के लिए दृष्टि बाधित श्रेणी में बालोद जिले के तेजराम साहू और धमतरी जिले के अरविंद शर्मा, श्रवण बाधित श्रेणी में रायपुर जिले के सौरभ कुमार पाण्डेय, अस्थि बाधित श्रेणी में रायपुर जिले के रामेश्वर प्रसाद साहू को पुरस्कृत किया गया। सर्वोत्तम स्वैच्छिक संस्था के लिए दृष्टि बाधित श्रेणी में महासमुंद जिले की फॉर्चून फाउण्डेशन समाज सेवी संस्था और श्रवण बाधित संवर्ग के लिए जांजगीर-चांपा जिले के प्रेमधारा चेरिटेबल सोसायटी (नवजीवन मूकबधिर विद्यालय) और सर्वोत्तम दृष्टि बाधित नियोक्ता की श्रेणी में बालोद जिले के खेमराज जनकल्याण संस्था समिति को दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी पुरस्कृत लोगों और संस्थाओं को सम्मान राशि का चेक, शील्ड, प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

प्रदेश के 122 दिव्यांगजन को दी गई 37.44 लाख रूपए की सहायता राशि

इस अवसर पर दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का नाम पूरे देश में रोशन करने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संस्था ब्रेल प्रेस, बिलासपुर और नुक्कड़ टी-कैफे वेंचर्स एलएलपी, रायपुर को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ उत्कृष्ठ कार्यसंपादन, नवाचार और योजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए विभागीय उपसचिव राजेश तिवारी, कोरोना काल में लॉकडाउन के समय जरूरतमंदों की मदद के लिए बिलासपुर के समाजसेवी मंजीत सिंह अरोरा और छत्तीसगढ़ सिक्ख फोरम रायपुर को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 122 दिव्यांगजनों को विभागीय योजनाओं निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना, सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, परिवार सहायता योजना और राज्य छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित करते हुए 37.44 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक दिया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और उत्थान सब्सिडी से भी लाभान्वित किया गया।

किसान कल्याण समिति की अधिकांश मांगें राज्य सरकार ने मानीः मंत्री अकबर

प्रभावित पात्र किसानों को 1200 से 2500 वर्ग फीट आवासीय भूमि होगी आबंटित

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 03 सदस्यीय मंत्री स्तरीय समिति का किया गया है गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की बैठक उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए बताया कि नई राजधानी प्रभावित किसानों के द्वारा विभिन्न मांगो को लेकर पिछले 02 माह से आंदोलन किया जा रहा है। किसानों ने जो मांगे रखी थी उनमें से अधिकांश मांग पूरी कर दी गई है। किसानों की मांगों पर विचार करने के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा 03 सदस्यीय मंत्री स्तरीय समिति का गठन किया गया था। इसमें कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर तथा नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया शामिल है। किसानों की मांगो पर 03 बैठके क्रमशः 29 जनवरी, 14 फरवरी तथा 17 फरवरी 2022 को हुई। बैठक में नई राजधानी प्रभावित क्षेत्र के विधायक धनेन्द्र साहू भी शामिल हुए।

इस मंत्री स्तरीय समिति की बैठक के बाद 06 मांगों पर सिफारिश जारी की गई। नवा रायपुर अटल नगर के संचालक मण्डल की 25 फरवरी 2022 की बैठक में इस इन सिफारिशों को मान्य किया गया। इनमें मंत्री स्तरीय समिति द्वारा जो सिफारिशें की गई थी, उनमें ग्रामीण बसाहट का आवासीय पट्टा का वितरण अंतर्गत ग्रामीण बसाहट का आवासीय पट्टा दिए जाने के संबंध में पूर्व सरकार के कार्यकाल में ग्राम विकास योजना (व्हीडीपी) क्रियान्वयन की शर्त रखी गई थी। वर्तमान सरकार इस नई राजधानी प्रभावित किसानों के हित को प्राथमिकता में रखते हुए ग्राम विकास योजना के क्रियान्वयन की शर्त को हटा दिया गया है। जो व्यक्ति जहां पर बसा हुआ है, उसको विस्थापित करने की आवश्यकता न हो, यह ध्यान रखते हुए आबादी क्षेत्र या शासकीय भूमि पर अतिक्रमित है या जिसने नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को जमीन दी है या प्रभावित की श्रेणी में आता है उसे पात्रतानुसार 1200 से 2500 वर्गफीट तक आवासीय भूमि दिया जायेगा। यह निर्णय भी तत्कालीन सरकार द्वारा अप्रैल 2013 में तय किया गया था। इसके लिए 07 सर्वे दल का गठन किया गया। 07 ग्रामों में सर्वे पूर्ण हो गया है। 03 ग्रामों में सर्वे को अंतिम रूप दिया जा रहा है और 03 ग्रामों में सर्वे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

ऑडिट आपत्ति का होगा निराकरण और दी जायेगी राशि

आवास मंत्री अकबर ने चर्चा करते हुए बताया कि नई राजधानी प्रभावित किसानों की जो वार्षिकीय ऑडिट आपत्ति के कारण रोकी गई थी। प्रभावित किसानों को 15 हजार प्रति एकड़ तथा 750/-वार्षिक वृद्धि के साथ यह राशि 2031 तक देना है। इस संबंध में ऑडिट आपत्ति के कारण 6465 में से केवल 285 मामलों में ऑडिट आपत्ति के कारण आंशिक भुगतान किया गया है और आपत्ति की गई राशि भुगतान हेतु शेष है। ऑडिट आपत्ति का निराकरण शासकीय स्तर पर किया जायेगा एवं राशि का भुगतान किया जायेगा।

उद्यानिकी विभाग द्वारा अनुदान पर मिले पल्वराईजर मशीन से सुधरी किसान की आर्थिक स्थिति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मसालों की खेती से अब हमारी आय में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि होने लगी है। हमारी आर्थिक स्थिति सुधरी है। जिससे जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव आए है साथ ही हम अपने परंपरागत् खेती को व्यावसायिक खेती करने में सक्षम हुए है। यह कहना है तिल्दा विकासखंड के ग्राम फरहदा के किसान पवन चन्द्राकर का। कृषक चन्द्राकर ने बताया कि उनके पास लगभग 2 हेक्टेयर रकबे की खुद की जमीन है तथा 12 एकड़ लीज पर लेकर खेती करते है। 3 एकड़ में धनिया, 1 हेक्टेयर में हल्दी और 2 एकड़ में मिर्ची का उत्पादन किया जा रहा है। चन्द्राकर गेहु और धान की भी खेती करते है।

कृषक ने बताया कि पूर्व में धनिया को 40 रूपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से खुले बाजार में विक्रय करते थे किन्तु अब उद्यानिकी विभाग से अनुदान पर पल्वराईजर मशीन मिलने के बाद हल्दी, मिर्ची, धनिया की पिसाई कर दोगुने-तीगुने राशि पर विक्रय कर लाभ अर्जित किया जा रहा है। जिनसे उनके आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि उनके कृषक साथी अब मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित हो रहे है। किसान अब मसालों की खेती करने लगे है। स्थानीय लोगों के आवश्यकता के अनुरूप मसालों की खेती कर मुनाफा अर्जित कर रहे है। उन्होंने उद्यानिकी विभाग से पल्वराईजर मशीन के लिए मिले अनुदान के लिए अपना आभार जताया है।

कीमोथेरेपी की सुविधा अब जिला अस्पतालों में भी

पिछले डेढ़ वर्षों में 1047 मरीजों की निःशुल्क कीमोथेरेपी

रदेश के 17 जिला अस्पतालों में है यह सुविधा, चरणबद्ध रूप से सभी जिला चिकित्सालयों में शुरू होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 'दीर्घायु वार्ड' योजना के अंतर्गत राज्य के 17 जिला अस्पतालों में डे-केयर कीमोथेरेपी सुविधा संचालित की जा रही है। इससे प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और आदिवासी अंचलों के कैंसर मरीजों को भी यह जरूरी सुविधा मिल रही है। सुदूर बस्तर संभाग के 4 जिला अस्पतालों दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर और कांकेर तथा सरगुजा संभाग के बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा और सूरजपुर जिला अस्पतालों में मरीजों की निःशुल्क कीमोथेरेपी की जा रही है। बालोद, बेमेतरा, बिलासपुर, गरियाबंद, जांजगीर, कोरबा, मुंगेली, रायपुर और धमतरी के जिला अस्पतालों में भी यह सुविधा शुरू की जा चुकी है। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में चरणबद्ध रूप से कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी पहल पर राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा दूर-दराज के इलाकों में भी अच्छी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने नई-नई सुविधाएं शुरू की जा रही हैं। इन अस्पतालों में पिछले डेढ़ वर्षों में 1047 कैंसर मरीजों की कीमोथेरेपी की गई है। जगदलपुर जिला अस्पताल में 516, जशपुर में 296, अंबिकापुर में 86, सूरजपुर में 37, कांकेर में 24, जांजगीर में 21, रायपुर में 17, धमतरी में 15, नारायणपुर में 13, बेमेतरा में 12, बलरामपुर में तीन, बिलासपुर, गरियाबंद और दंतेवाड़ा में दो-दो तथा बालोद जिला अस्पताल में एक मरीज की कीमोथेरेपी इस दौरान की गई है।

कीमोथेरेपी के साथ ही जिला अस्पतालों में कैंसर की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। बीते डेढ़ वर्षों में कीमोथेरेपी सुविधा वाले 17 जिला अस्पतालों में 4598 व्यक्तियों में कैंसर की जांच की गई है। इस दौरान जगदलपुर जिला अस्पताल में 2063, धमतरी में 810, गरियाबंद में 482, जशपुर में 335, सूरजपुर में 329, रायपुर में 242, जांजगीर में 104, कांकेर में 65, बिलासपुर में 47, बालोद में 39, बेमेतरा में 33, बलरामपुर में 23, अंबिकापुर में 14, दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में 12 लोगों में कैंसर की स्क्रीनिंग की गई है।

पूर्वोत्तर संस्कृति का दर्शनीय कार्यक्रम आज से, आठ राज्य के 250 कलाकार देंगे प्रस्तुति

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में पूर्वोत्तर संस्कृति का दर्शनीय कार्यक्रम शनिवार से शुरू हो रहा है। इसमें आठ राज्य के 250 कलाकार प्रस्तुति देंगे। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर संस्कृति मंत्रालय, संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साइंस कालेज मैदान में पांच से आठ तक भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की संस्कृति (नृत्य, शिल्प, व्यंजन परंपरा) कार्यक्रम आक्टेव आयोजित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर के आठ राज्य, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा की पारंपरिक संस्कृति के प्रोत्साहन, संवर्धन के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के आक्टेव कार्यक्रम का आयोजन देश के कई हिस्सों में किया जाता है। इस आयोजन में पूर्वोत्तर राज्यों के लगभग 250 कलाकार राज्यों के सांस्कृतिक नृत्यों की मंचीय प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा मेला क्षेत्र में पूर्वोत्तर के आकर्षक एवं उपयोगी हस्तशिल्पों, स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक नृत्यों में मणिपुर का ढोल चोलम, पुंग चोलम नृत्य, लाई हरोबा, शौर्य का नृत्य थांगटा, असम का रंगीला बिहू, भोरताल, बारडोली शिखला, ढाल ठुमरी, त्रिपुरा के होजागीरी, सांगराइ मोंग, नागालैंड का खुपलिली, रोइना नृत्य, मेघालय के वान्गला, का शाद, मस्तेह, अरुणाचल प्रदेश के जुजु-जाजा, रिखामपदा नृत्य, मिजोरम के चेराव, खुल्लम नृत्य, सिक्किम का प्रसिद्ध याक नृत्य सिंगी छाम की प्रस्तुति होगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

खास खबर

आलिया भट्ट स्टारर 'गंगूबाई काठियावाड़ी' 100 करोड़ क्लब में हुई शामिल

आलिया भट्ट स्टारर गंगूबाई काठियावाड़ी ने रिलीज के पहले हफ्ते में वर्ल्ड वाइड 100 करोड़ रूपए की कमाई की है। इस बात की जानकारी मेकर्स ने खुद पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने लिखा, इतना सारा प्यार देने के लिए थेंक्यू सो मच। इस फिल्म ने 10 करोड़ रूपए की ओपनिंग की थी। इसमें आलिया के अलावा विजय राज, अजय देवगन, सीमा पहवा और इंदिरा तिवारी हैं।

विद्या बालन और शेफाली शाह स्टारर 'जलसा' का टीजर आउट

विद्या बालन और शेफाली शाह स्टारर 'जलसा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 18 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। इस बात की जानकारी फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने दी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। 'जसला' को सुरेश त्रिवेणी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में मानव कौल, इकबाल खान, श्रीकांत मोहन यादव और शफीन पटेल नजर आएंगे।

अरुणोदय सिंह स्टारर 'अपहरण-2' का ट्रेलर आउट

अरुणोदय सिंह स्टारर सीरीज अपहरण के सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मेकर्स ने खुद इसका ट्रेलर अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा, न हीरो की न हिरोइन की इस बार बोली चलेगी सिर्फ किस्मत की...सबका कटेगा दोबारा। सीरीज 18 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस सीरीज में अरुणोदय के अलावा सानंद वर्मा और निधि सिंह भी नजर आएंगी।

मां की तरह सुपरस्टार बनना चाहती थीं जान्हवी कपूर, लेकिन श्रीदेवी का था कुछ और सपना

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर 6 मार्च को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करती हैं। उन्होंने फिल्म धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। जाह्नवी कपूर को फैंस का भरपूर प्यार मिलता है। आज जान्हवी कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने पैर जमा चुकी हैं और अपने करियर को इससे भी ज्यादा बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सोशल मीडिया पर भी जाह्नवी की अच्छी फैन फॉलोइंग है, उनकी सादगी और बोल्डनेस दोनों ही फैंस को खूब पसंद आती है। तो चलिए जानते हैं जाह्नवी कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें।

जाह्नवी कपूर निर्माता बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी हैं। श्रीदेवी उस समय की सबसे खूबसूरत अदाकाराओं में से एक होने के साथ ही पहली फीमेल सुपरस्टार भी थीं। उन्होंने हिंदी सिनेमा की कई हिट फिल्में की, तो जाहिर तौर पर उनकी बेटी उन्हें ही देखकर बड़ी हुई थी। ऐसे में जान्हवी कपूर भी बचपन से अपनी मां श्रीदेवी की तरह सुपर स्टार बनना चाहती थीं।

जाह्नवी कपूर के पिता बोनी कपूर ने कभी भी अपनी बेटी के सपने को लेकर नहीं रोका लेकिन श्रीदेवी यह नहीं चाहती थीं की उनकी बेटी फिल्म इंडस्ट्री में आए। श्रीदेवी चाहती थीं कि उनकी बेटी जाह्नवी पढ़ाई पर ध्यान दे और डॉक्टर बने। जान्हवी कपूर ने बतौर लीड एक्ट्रेस फिल्म धड़क से डेब्यू किया था लेकिन उस समय उनकी मां श्रीदेवी जीवित नहीं थीं। फिल्म की रिलीज से पहले ही उनका निधन हो गया था। अपनी मां के जाने के बाद जान्हवी बुरी तरह से टूट गईं थीं। हालांकि आज जान्हव कपूर बॉलीवुड में अच्छा नाम कमा रही हैं और कभी कभी उनमें अपनी मां श्रीदेवी की झलक भी देखने को मिलती है।

इस जनरेशन के एक्टर्स को स्टार बनने के लिए एक पुरे गांव बराबर टीम की जरूरत है, हमारे वक्त ऐसा नहीं था: माधुरी दीक्षित

धक-धक गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने हाल ही में अपना ओटीटी डेब्यू किया। उन्होंने 'द फेम गेम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखा, जिसमें वह एक प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार (अनामिका आनंद) की भूमिका में नजर आई हैं। इस सीरीज में ग्लैमर की चकाचौंध दुनिया के पीछे छिपा अंधेरा और बॉलीवुड सेलिब्रिटीज के निजी और पारिवारिक जीवन को दिखाने की कोशिश भी की गई है। वहीं माधुरी दीक्षित की माने तो वे अपने इस ओटीटी डेब्यू प्रोजेक्ट पर मिले ऑडियंस के रिस्पांस से काफी संतुष्ट है।

सीरीज के एक सीन में माधुरी का किरदार एक युवा एक्टर का मजाक उड़ाता है। वह यही कहती नजर आती हैं कि यंग एक्टर्स को टैलेंट की नहीं बल्कि स्टाइलिस्ट, ट्रेनर्स और पीआर की जरूरत है। तो क्या असल में ऐसा है? इस सवाल के जवाब के अलावा, माधुरी ने इस सीरीज और अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर की हैं।

इस सीरीज में बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिसमें पूरी तरह से सच्चाई दिखाई गई

जब फिल्ममेकर श्री राव मेरे पास इस सीरीज की स्क्रिप्ट लेकर आए तो उन्होंने कहा कि मैंने आपको नजर में रखकर इसकी स्क्रिप्टिंग की है। उनकी इस बात से ही मेरी दिलचस्पी बढ़ गई। जब उन्होंने मुझे इसकी कहानी सुनाई तो पहले ही बार में मैंने इसे करने का फैसला ले लिया था। सबसे अच्छी बात ये थी कि इसमें मिस्ट्री के साथ-साथ फैमिली ड्रामा भी है, जिसे मैं पर्सनली काफी पसंद करती हूं। इस सीरीज में बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिसमें पूरी तरह से सच्चाई दिखाई गई है। बतौर परफॉर्मर, मैं इसे एक चैलेंज की तरह देख रही थी। फिर जब नेटफ्लिक्स और धर्मा प्रोडक्शन का साथ मिला तो लगा मानो इससे बेहतर सेटअप मिल ही नहीं सकता बस, तुरंत हामी भर दी।

मुझे यकीन था की इसे पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा और वही हुआ

जब बिग स्क्रीन पर इस सीरीज को देखा तो बहुत संतुष्टि महसूस हुई। मानो जैसे कोई फिल्म बड़े बर्डे पर देख रहे हैं। सीरीज देखने के दौरान, ख्याल आता था कि ये ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए नहीं बल्कि बड़े पर्दे के लिए बनाई गई है। हर फ्रेम में रिचनेस दिख रहा था। मुझे यकीन था कि इसे पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा और वही हुआ भी इस जनरेशन के एक्टर्स को स्टार बनने के लिए एक पुरे गांव की जरूरत है।

जब फिल्म इंडस्ट्री में मेरी शुरुआत हुई थी, तब प्रमोशन के लिए हमारे आसपास इतने लोग नहीं होते थे। उस वक्त कुछ गिने-चुने मैगजीन, न्यूजपेपर हुआ करते थे। मेकर्स फिल्म और उनके गानों के कुछ ट्रेलर बना देते थे और फिल्म रिलीज हो जाती थी। फिल्म रिलीज का बहुत सिंपल हुआ करता था, लेकिन आज का दौर तो इससे बिलकुल विपरीत है। अब इतने सारे मध्यम आ गए हैं कि आपको हर मध्यम के लिए अलग-अलग टीम की जरूरत होती है। जाहिर है ये टीम की पूरी कोशिश होती है कि वे आपको हर प्लेटफॉर्म पर प्रमोट करें। अब एक्टर्स को बड़ी-बड़ी टीम की काफी जरूरत है, नहीं तो वे पागल हो जाएंगे। इसलिए मैं कहती हूं कि इस जनरेशन के एक्टर्स को स्टार बनने के लिए एक पुरे गांव की जरूरत है मुझे न्यूकमर्स पर बहुत दया भी आती है, लेकिन क्या करें, ये सब करना तो होगा ही, मैं भी कर रही हूं मेरी भी टीम बढ़ गई है।

आज के जनरेशन के एक्टर्स को देखकर बहुत गर्व महसूस करती हूं

आज के जनरेशन के एक्टर्स को देखकर बहुत गर्व महसूस करती हूं। जिस तरह से आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, कंगना रनोट और प्रियंका चोपड़ा अपने टैलेंट को एक्स्प्लोर कर रही हैं, वह वकाई में काबिले तारीफ है। सभी की अपनी-अपनी जर्नी है और सभी की जर्नी मुझे काफी इंटरेस्टिंग लगती है। उनकी मेहनत स्क्रीन पर दिखती है। मैं दिल से चाहती हूं कि ये सब एक्ट्रेसेस अपने करियर में आगे बढ़ें।

बतौर आर्टिस्ट, मैं अपनी कला दिखाने के लिए किसी एक प्लेटफॉर्म तक सिमित नहीं रहना चाहती

जब सिनेमा के लिए आप कुछ करते हैं तो आपको दो घंटे के अंदर अपनी कहानी ऑडियंस तक पहुंचानी होती है। लेकिन ओटीटी में आपको काफी स्पेस मिलता है। लीड किरदार के अलावा छोटे-छोटे किरदारों को एक्स्प्लोर करने का भी मौका मिलता है। वेब सीरीज की सबसे अच्छी बात ये होती है कि ऑडियंस को हर किरदार से लगाव हो जाता है। बतौर आर्टिस्ट, मैं अपनी कला दिखाने के लिए सिर्फ एक प्लेटफॉर्म तक सिमित नहीं रहना चाहती। हालांकि, फिलहाल मुझे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर परफॉर्म करने में काफी मजा आ रहा है।

इस बात से इंकार नहीं करुंगी की साउथ इंडस्ट्री से भी ऑफर्स आते हैं। लेकिन, फिलहाल कुछ इंटरेस्टिंग नहीं। मैं ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो ग्राउंड ब्रेकिंग हो फिर चाहे कोई भी भाषा में क्यों ना हो। ऐसा पावरफुल किरदार करना चाहती हूं, जिस पर ऑडियंस पर अलग ही इम्पैक्ट हो। यदि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा कोई मौका मिला तो उस इंडस्ट्री का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी।

नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कथल' से सामने आया सान्या मल्होत्रा का लुक, पुलिस ऑफिसर के रोल में दमदार लगीं एक्ट्रेस

आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में उनकी छोटी बेटी बबीता की किरदार निभाने वाली 'सान्या मल्होत्रा' ने अपनी दमदार एक्टिंग से बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली है। वह आए दिन नए-नए प्रोजेक्ट साइन कर रही हैं। पिछले दिनों वह 'लव हॉस्टल' में नजर आई थीं। अपनी पिछली फिल्म की सफलता के बाद सान्या मल्होत्रा जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कथल' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से उनका पहला लुक सामने आ गया है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

कथल का प्रोमो वीडियो आया सामने

नेटफ्लिक्स ने अपनी अगली फिल्म 'कथल' की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें सान्या मल्होत्रा और अनंत जोशी अभिनय करते नजर आएंगे। इस फिल्म का पहला प्रोमो सान्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए लिखा, लापता कातिल- कथल की तलाश जारी है। कहीं आपने उन्हें देखा? ढूंढने आ रहे हैं हम इंस्पेक्टर महिमा। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है कथल। पुलिस ऑफिसर के किरदार में सान्या

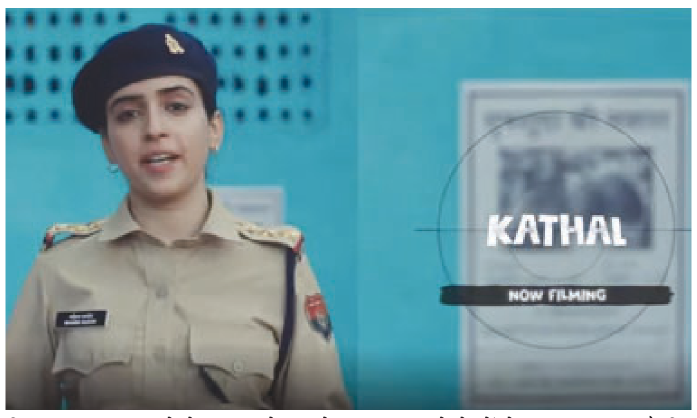

इस प्रोमो में देखा जा सकता है कि सान्या अपनी इस आगामी फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें वह काफी दमदार लग रही हैं। यह एक छोटे से शहर पर आधारित एक महिला प्रधान ड्रामा मूवी है, जो एक स्थानीय राजनेता के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके बेशकीमती कटहल (कथल) गायब हो जाते हैं। उन्हें ढूंढने के लिए एक युवा पुलिस अधिकारी महिमा (सान्या मल्होत्रा) को चुना जाता है, जो खुद को साबित करने के लिए इस अजीबो-गरीब मामले को सुलझाने में लग जाती है। कथल के साथ नेटफ्लिक्स पर सान्या की वापसी

कथल 'यशवर्धन मिश्रा' के निर्देशन में बन रही पहली फिल्म है, जिन्होंने अनुभवी पुरस्कार विजेता लेखक 'अशोक मिश्रा' के साथ यह फिल्म लिखी भी है। इस फिल्म प्रोमो देखकर लग रहा है कि यह रहस्य से भरी हुई भरी हुई होगी। बता दें कि सान्या इस फिल्म से नेटफ्लिक्स पर वापसी करने जा रही हैं। इससे पहले उन्होंने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्म 'लूडो, पगलैट और मीनाक्षी सुंदरेश्वर' में काम किया है।

क्राइम पेट्रोल में काम करते हुए चमकी इन सितारों की किस्मत

'क्राइम पेट्रोल' टीवी का पॉपुलर सीरियल है, जिसमें क्राइम से जुड़ी घटनाओं को कहानी के जरिए दिखाया जाता है। इस सीरियल में समाज में हो रहे हर अपराध के बारे में सावधानी से बताया जाता है और दर्शकों को भी सावधान रहने के लिए कहा जाता है। इस शो के हर एपिसोड में कुछ नए और कुछ पुराने कलाकार नजर आते हैं। तो आज हम आपको टीवी के उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने कभी 'क्राइम पेट्रोल' में छोटे रोल किए थे लेकिन आज वह दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर हैं। इनमें से कुछ सितारों ने फिल्मों में भी काम किया है।

रोहित तिवारी

रोहित तिवारी पॉपुलर एक्टर हैं, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। वह 'क्राइम पेट्रोल' में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, वह बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा भी रह चुके हैं। वह फिल्म 'ड्रीम गर्ल' में नजर आए थे। इसके अलावा, उन्हें वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में भी देखा गया था।

सचिन त्यागी

सचिन त्यागी ने अपने करियर की शुरुआत छोटे रोल से की थी। लेकिन आज के समय में वह टीवी के पॉपुलर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से जुड़े हुए हैं। इस सीरियल में वह मनीष गोयनका का किरदार निभा रहे हैं। वह लंबे समय से सीरियल का हिस्सा हैं।

आशी सिंह

आशी सिंह ने अपने करियर की शुरुआती दिनों में 'क्राइम पेट्रोल' में काम किया था। इसके बाद वह टीवी सीरियल 'ये उन दिनों की बात है' में नजर आई थीं। इस सीरियल को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इन दिनों आशी 'मीत' में नजर आ रही हैं। इस सीरियल में वह लीड एक्ट्रेस हैं।

विशाल जेठवा

विशाल जेठवा टीवी के कई पॉपुलर सीरियल का हिस्सा रह चुके हैं, जिसमें 'एक दूजे के वास्ते', 'दिया और बाती हम' और 'थपकी प्यार की' शामिल हैं। इसके अलावा, वह फिल्म 'हिंदी मीडियम' और 'मर्दानी 2' का भी हिस्सा रह चुके हैं।

अवनीत कौर

अनवीत कौर अब मनोरंजन जगत का पॉपुलर चेहरा बन चुकी हैं। वह कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं और अब अवनीत फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' में दिखाई देंगी। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

निसार खान

निसार खान 'क्राइम पेट्रोल' के कई एपिसोड में पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई दे चुके हैं। लेकिन वह कई टीवी सीरियल का भी हिस्सा रह चुके हैं। कुछ समय पहले, वह फिल्म 'तानाजी' में भी दिखाई दिए थे।

अक्षिता मुद्गल

अक्षिता मुद्गल टीवी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ मॉडल भी हैं। अक्षिता को टीवी सीरियल 'भाखरवड़ी' से पॉपुलैरिटी हासिल हुई थी। इस सीरियल में अक्षिता ने गायत्री ठक्कर का किरदार निभाया था।

अजय देवगन की पहली सीरीज रुद्रा को सोशल मीडिया पर मिली जमकर तारीफें, ओटीटी प्रोजेक्ट के बाद जल्द आएंगे 3 बड़ी फिल्मों में नजर

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की सीरीज रुद्रा: द एज ऑफ डार्कनेस डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है। क्राइम थ्रिलर सीरीज रुद्रा में अजय ने डीसीपी रुद्रावीर सिंह की दमदार भूमिका निभाई है जिन्हें राशी खन्ना सपोर्ट करती दिखी हैं। इस सीरीज की कहानी भले ही कुछ फीकी सी हो, लेकिन अजय के किरदार को जमकर तारीफें मिल रही हैं। आइए जानते हैं कैसा है दर्शकों का रिएक्शन-

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने अजय की एक्टिंग की सराहना करते हुए लिखा है, मुझे नहीं लगता कि अजय देवगन की तरह कोई और डायलॉग डिलीवरी कर सकता है। इनकी डायलॉग डिलीवरी, बॉडी लैंग्वेज में बहुत स्वैग है और सबसे अच्छी बात ये है कि ये बराबर कैजुअल है। उन्हें रुद्रा की तरह देखकर काफी मजा आया।

दूसरे यूजर ने लिखा है, अजय देवगन स्टारर रुद्रा एक टॉप क्लास इन्वेस्टिगेशन थ्रिलर है। अजय देवगन की दमदार परफॉर्मेंस के अलावा इसका हर एपिसोड बहुत जोड़कर रखने वाला है। अजय देवगन का इंटेंस एक्ट और थ्रिलिंग एपिसोड आपको पूरी सीरीज से जोड़कर रखेंगे।

एक यूजर ने लिखा, रुद्रा देखी। सोचा नहीं था कि ये अच्छी होगी लेकिन ये बेहतरीन सीरीज है। अजय देवगन आग है।

रुद्रा से पहले भी अजय देवगन ने फिल्म भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया से ओटीटी डेब्यू किया था। पहले ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे डिजिटली रिलीज किया गया था। रुद्रा से ठीक पहले अजय संजयलीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में करीम लाला के रोल में नजर आए हैं। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद किया जा रहा है।

ये हैं अजय की अपकमिंग फिल्में

अजय देवगन अब अमिताभ बच्चन के साथ रनवे 34 में नजर आएंगे। रनवे 34 को 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अवाला अजय आरआरआर और थैंकगॉड में भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

चबूतरा व पेन्ड्री में निर्मित हाट बाजार का महापौर ने किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विकास कार्यो के तहत नगर निगम द्वारा शहर में मूलभूत सुविधा रोड, नाली निर्माण के अलावा सामुदायिक भवन, उद्यान, तालाब सौदर्यीकरण, मुक्तिधाम उन्नयन, चौक चौराहों का सौदर्यीकरण आदि कार्य कराये जा रहे है। इसी कडी में शासन की महत्वाकाक्षी योजना पौनी पसारी योजनांतर्गत कमला कालेज के पास एवं हरदी में शिव मंदिर के पास चबूतरा का निर्माण किया गया है।

इसी प्रकार हाट बाजार योजनांतर्गत पेन्ड्री में आई.एच.एस.डी.पी. के तहत बने आवास के पास बाजार का निर्माण किया गया है। जिसका आज अलग अलग आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने फिता काटकर, पट्टीका का अनावरण कर विधिवत उद्घाटन किया। साथ ही रेवाडीह में यादव समाज के भवन के पास उद्यान निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

चारो वार्ड में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में वार्ड नं. 20 के बेलस मराई, नकुल ठाकुर, कमलेश साहू, सरस्वती ठाकुर, वार्ड नं. 22 के उपेंद्र यादव, अमन यादव, कार्तिक यादव,रितेश यादव, राधे यादव, विजय यादव, संदेश, पुनाराम यादव, महेश यादव, श्रीमती जया यादव, गरीबा यादव, सरस्वती यादव, मीना यादव, फगवा यादव, सुदेश यादव, अशोक यादव, रमन यादव, वार्ड नं. 23 के डॉ. मिश्रा, गौतम व वार्ड नं. 51 के रिखी साहू, दुरपत निषाद, ललित निषाद, पूनूराम साहू, सुनील साहू, दिनू यादव, टेन सिंह साहू, झुमुक साहू द्वारा पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि वार्ड नं. 23 व वार्ड नं. 51 में राज्य प्रवर्तित योजना पौनी पसरी योजनांतर्गत 26.35 लाख - 26.35 लाख रूपये की लागत से चबूतरा का निर्माण किया गया है। जहॉ परंपारगत व्यवसाय जैसे लोहार, कुम्हार, मोची, बढ़ाई, सब्जी विक्रेता, दर्जी, मूर्तिकार, फूल व पूजन समाग्री विक्रेता, दोना पत्तल आदि छोटे व्यवसायियों को व्यवसाय करने आबंटित किया जायेगा। वैसे ही हाट बाजार योजनांतर्गत वार्ड नं. 20 पेन्ड्री में 25.00 लाख रूपये की लागत से बाजार का निर्माण किया गया है। जहॉ भी फल सब्जी सहित छोटे व्यवसायी अपना व्यवसाय कर जीवन यापन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी की सोच छोटे से छोटे व्यवसाय करने वाले लोगों के जीवन स्तर को ऊचा उठाना है। जिसके लिये उनके द्वारा इस प्रकार की योजना प्रारंभ की गयी है। जिसका उन्हें सीधा लाभ मिल सके।

महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि रेवाडीह वार्ड नं. 22 में राज्य प्रवर्तित योजनांतर्गत 10.36 लाख रूपये की लागत से उद्यान का निर्माण कराने भूमिपूजन किया गया, इसका निर्माण अतिशीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। उद्यान में बाउण्ड्रीवाल, पाथवे, लॉन निर्माण के अलावा बैठक व विद्युत व्यवस्था की जायेगी। उद्यान निर्माण होने से क्षेत्रवासियों के मनोरंजन के लिये एक अच्छा स्थान उपलब्ध होगा। इस अवसर उप अभियंता श्र दिलीप मरकाम, अशोक देवांगन, सुश्री आयुषी सिंह सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

खास खबर

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

रायपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में जिले के पंजीकृत समस्त कृषकों को पीएम किसान पोर्टल में ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। कृषि विभाग जिला रायपुर के उप संचालक राजेन्द्र कुमार कश्यप ने बताया कि शासन द्वारा पीएम किसान योजना का लाभ सही पात्र कृषकों को देने एवं फर्जीवाडे को रोकने हेतु ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस हेतु पीएम किसान पोर्टल पर भी ई-केवाईसी अपडेट के लिए ऑप्शन दिया गया है। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी कराने हेतु पंजीकृत कृषक स्वयं पीएम किसान पोर्टल में जाकर अपने आधार कार्ड नंबर का सत्यापन कर सकते है या लोक सेवा केन्द्र, ग्रामीण च्वाईस सेंटर के माध्यम से भी सत्यापन करवा सकते हैं। कृषक द्वारा पोर्टल में ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित किया गया है।

आत्मनिर्भर संगठन पुरस्कार से सम्मानित होगा आस्था संकुल संगठन

राजनांदगांव। आत्मनिर्भरता की मिशाल पेश करती स्वसहायता समूह की महिलाएं आज कदम से कदम मिलाकर ऊंचाईयों को छू रही है। स्वसहायता समूह से जुड़कर महिलाओं ने आजीविका की ओर कदम बढ़ाया और सफलता को प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। जिले के डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम सोनेसरार की आस्था संकुल संगठन की स्वसहायता समूह की महिलाओं का कार्य न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में सराहा जा रहा है। की स्वसहायता समूह की महिलाएं गौठानों से जुड़कर आर्थिक गतिविधियां कर आजीविका की ओर कदम बढ़ाते हुए इसमें सफल भी हो रही है।

इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति ने प्रगति की समीक्षा

राम चंद्र प्रसाद सिंह ने इस्पात राजभाषा सम्मान पुरस्कार प्रदान किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक कल शाम यानि 03 मार्च, 2022 को केंद्रीय इस्पात मंत्री राम चंद्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में तमिलनाडु के मदुरै में आयोजित की गई। बैठक के उपाध्यक्ष, इस्पात और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

समिति ने हिंदी की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस्पात मंत्री ने मंत्रालय और उसके उपक्रमों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों का स्वागत किया।

राम चंद्र प्रसाद सिंह ने सदस्यों को उनके रचनात्मक सुझावों पर उचित और त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस्पात राज्य मंत्री ने सदस्यों को मंत्रालय और उसके उपक्रमों में हिंदी के उपयोग की स्थिति से अवगत कराया।

इससे पूर्व, अपर सचिव (इस्पात) श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल ने समिति का स्वागत किया। बैठक 3 साल की अवधि के बाद आयोजित की जा रही थी। देश में मौजूदा महामारी के कारण इसमें व्यवधान हुआ था।

उप निदेशक (राजभाषा) श्रीमती आस्था जैन ने हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। 8 सार्वजनिक उपक्रमों में से प्रत्येक के सीएमडी ने भी हिंदी के उपयोग और प्रचार में अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राम चंद्र प्रसाद सिंह ने राजभाषा के प्रयोग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उपक्रमों को वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए इस्पात राजभाषा सम्मान पुरस्कार और प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

जन्मदिन पर देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऋषभ नगर निवासी राधे लाल जैन ने अपने 76वे जन्मदिन के अवसर पर अपनी पत्नी सुशीला देवी जैन के साथ अपने देहदान की घोषणा कर देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,रितेश जैन,हरमन दुलाई,सुरेश जैन, उज्वल पींचा,मुकेश राठी को सौंपी।

श्री जैन के पड़ोसी गोपी रंजन दास वैष्णव ने उपस्थित सभी सदस्यों को देहदान के महत्व व प्रक्रीया विस्तार से समझाई। राधे लाल जैन के पुत्र रावल जैन, सिद्धार्थ जैन ,चंद्रेश जैन ,पुत्री राखी बैद, वधु अर्चना,मीनल,श्रद्धा ने देहदान हेतु सहमति दी ,श्री जैन ने कहा बहुत समय से उनकी इच्छा देहदान करने की थी और आज उनके जन्मदिन व महाशिवरात्रि का शुभ दिन हमारे लिए यादगार हो गया,जैन दम्पति ने कहा उनके जाने के बाद उनकी देह समाज के कार्य आए तो उनका इस दुनिया में आना सफल हो जायेगा।

शिशु संरक्षण माह का हुआ जिला स्तरीय शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिशु संरक्षण माह का जिला स्तरीय शुभारंभ विधायक कुलदीप जुनेजा के द्वारा हमर अस्पताल राजा तालाब में किया गया। यह अभियान प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार के अनुरूप शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। मार्च महीने में यह आज से शुरू होकर 8, 11, 15, 18, 22, 25, 29 मार्च एवं 1, 5 तथा 8 अप्रेल को आयोजित होगा।

शुभारंभ अवसर पर विधायक ने बच्चों को विटामिन-ए अनुपूरक की खुराक पिलाई। इस अवसर पर पार्षद आकाश तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर डॉ. श्रीमती मीरा बघेल, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आशीष वर्मा, डी.के. बंजारे सांख्यिकी अधिकारी, बी.एम.ओ डॉ पंकज किशोर मिश्रा, अंशुल थुदगर शहरी कार्यक्रम प्रबंधक गजेन्द्र डोंगरे जिला मिडिया प्रभारी स्वास्थ्य विभाग (सी.एम.एच.ओ कार्यालय) भी उपस्थित थे।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने विटामिन-ए एवं आई. एफए. सिरफ के फायदे के बारे में बताया। विटामिन-ए जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्वों का हिस्सा है, जो कि कई प्रक्रियाओं के सुचारू संचालन के लिए शरीर के लिये आवश्यक होता हैं। 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को 6-6 माह के अंतराल में विटामिन-ए पिलाना चाहिए। विटामिन-ए त्वचा, हडियों और शरीर के अन्य कोशिकाओं को मजबूत रखने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विटामिन-ए में एंटी ऑक्सीडेंट मौजूद होता हैं। विटामिन-ए आँखों की बीमारियो के खतरे को कम करता है और रतौंधी से बचाता है।

उन्होंने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को आई.एफए. सिरफकी 1 बोतल दिया जाएगा। यह दवा सप्ताह में दो दिन मंगलवार एवं शुक्रवार को 1 एम.एल. पिलायी जाएगी।

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता श्रीमती श्रीरंगम शारदा पति श्री श्रीरंगम श्रीनिवास, उम्र 42 वर्ष, निवासी सप्तगिरी, प्लाट नं. 01, फेस-02, मैत्रीकुंज, रिसाली भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग. की रहने वाली हूं। जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करती हूं कि मेरे नाम से पने कार्ड जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम श्रीमती श्रीरंगम शारदा (Smt. Srirangam Sharada) दर्ज है। और मेरे नाम से पासपोर्ट जारी हुआ है जिसका क्रमांक J7139276 है, जिसमें मेरा नाम Smt. Srirangam Sharada Srinivas दर्ज है जो कि दिनांक 18/11/2021 तक वैध था। मेरे नाम से जारी पासपोर्ट पर जिसमें मेरा नाम Smt. Srirangam Sharada Srinivas दर्ज है उसके स्थान पर मेरा नाम श्रीमती श्रीरंगम शारदा (Smt. Srirangam Sharada) दर्ज करवाना चाहती हूं। अतः मैं अपने नाम से नया पासपोर्ट जारी करवाना चाहती हूं जिसमें मेरा नाम श्रीमती श्रीरंगम शारदा (Smt. Srirangam Sharada) पति श्री श्रीरंगम श्रीनिवास दर्ज किया जाये। उपरोक्त कथन की सत्यता के प्रमाण में शपथपत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
श्रीमती श्रीरंगम शारदा पति श्री श्रीरंगम श्रीनिवास, उम्र 42 वर्ष, निवासी सप्तगिरी, प्लाट नं. 01, फेस-02, मैत्रीकुंज, रिसाली भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

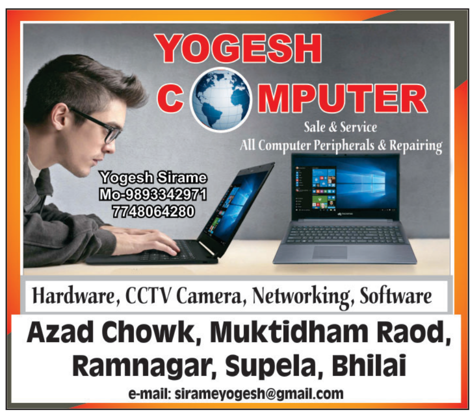

खास-खबर

गांजा बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाकर की कार्रवाई

भिलाई। शहर में चोरी छिपे गांजा बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की है। पुलिस ने एक अपचारी समेत कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से छह किलो गांजा और बिक्री की रकम करीब छह लाख 16 हजार रुपये जब्त किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में कैंप-1 वृंदा नगर निवासी बीरो (55), स्टेशन मरोदा निवासी राजकुमार ठाकुर (50), सारथी मोहल्ला मठपारा दुर्ग निवासी मनीषा सारथी उर्फ बिन्नी, ग्राम धनोरा निवासी महेंद्र टंडन, ग्रीन चौक दुर्ग निवासी भरत तिवारी और कैंप-2 निवासी एक अपचारी बालक शामिल है। वैशाली नगर पुलिस ने कैंप-1 वृंदा नगर निवासी बीरो को एक किलो 100 ग्राम गांजा और बिक्री रकम पांच लाख 76 हजार 350 रुपये जब्त किया है। नेवई पुलिस ने बीआरपी कालोनी तिरंगा चौक के पास गांजा बेचते हुए आरोपित राजकुमार ठाकुर को पकड़ा गया है। उसके पास से 928 ग्राम गांजा और 580 रुपये जब्त किया गया है। तीसरे मामेल में दुर्ग कोतवाली पुलिस ने सारथी मोहल्ला मठपारा दुर्ग में आरोपित मनीषा सारथी उर्फ बिन्नी को एक किलो 352 ग्राम गांजा के साथ पकड़ा है।

पद्मनाभपुर चौकी पुलिस ने ग्राम धनोरा के शीतला तालाब के पास से आरोपित महेंद्र टंडन को एक किलो गांजा व 16 हजार रुपये के साथ पकड़ा है। मोहन नगर पुलिस ने ग्रीन चौक के पास से भरत तिवारी को एक किलो 308 ग्राम गांजा के साथ पकड़ा है। इसके अलावा छावनी पुलिस ने कैंप-2 निवासी एक अपचारी बालक को 350 ग्राम गांजा के साथ पकड़ा है।

चोरी की चा दोपहिया के साथ तीन आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (ए)। खमतराई पुलिस ने दो पहिया चोरी करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की चोर दो पहिया बरामद किया। गुरुवार को थाना खमतराई पुलिस को सूचना मिली की बंजारी माता मंदिर पास एक व्यक्ति सस्ते दाम में मोटर साइकिल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है।

पुलिस कर्मी पहुंचे और उससे शिवरीनारायण जिला जांजगीर-चांपा निवासी धनंजय साहू से वाहन के दस्तावेज की मांग की। वह दो पहिया का कागज नहीं दिखा सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर धनंजय साहू ने मोटरसाइकिल चोरी करने की बात कबूल की। वहीं पुलिस ने धनंजय से पूछताछ के बाद राजेंद्र साहू निवासी सरगांव जिला मुंगेली और रितिक वर्मा निवासी ससहा कोतवाली जिला बलौदा बाजार को गिरफ्तार किया। तीनो के कब्जे से चोरी के चार दो पहिया बरामद किया।

पेड़ से लटकती मिली युवती की सड़ी-गली लाश

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा जिले में पेड़ से लटकती हुई एक युवती की लाश मिली है। लाश पूरी तरह सड़ चुकी है। बताया जा रहा है कि लाश लगभग 10 दिन पुरानी है। चेहरा पहचान न आने की वजह से अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। फिलहाल यह हत्या है या आत्म हत्या पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला जिले के बचेली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बचेली नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 9 में NMDC चेक डेम के पास से बदबू आ रही थी। स्थानीय लोगों ने जाकर देखा तो झाड़ियों में फंदे से लटकती हुई लाश मिली। जिसके बाद इसकी सूचना फौरन बचेली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे जवानों ने शव को उतारा फिर बचेली के अपोलो अस्पताल भिजवाया है। जहां पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल शव मरच्यूरी में रखा गया है। पुलिस की मानें तो शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आस-पास के थाना क्षेत्रों में किसी युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होगी तो इसका पता लगाया जा रहा है। यह आत्महत्या है या फिर मारकर शव लटकाया गया है पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई शुरूः 6 लाख कैश और 6 लाख के गांजे के साथ 6 को किया गिरफ्तार

दुर्ग। नव गिठत नारकोटिक्स सेल ने दुर्ग जिले में अवैध रूप से मादक पदार्थों को बेचने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को टीम ने छापेमार कार्रवाई करके 6.16 लाख रुपए नगद व 6 लाख रुपए कीमत का 6 किलोग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस ने इस मामले में 2 महिला व एक नाबालिग सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नारकोटिक्स सेल प्रभारी नसर सिद्दकी ने बताया कि एसएसपी के साफ निर्देश हैं जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री नहीं होनी चाहिए। इस पर उन्होंने जिले में इस तरह की जगह को चिन्हांकित किया। शुक्रवार को उनकी टीम सुबह 7 बजे छापामार कार्रवाई करने निकली। टीम ने जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र अंतर्गत चिन्हांकित जगहों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान नारकोटिक्स सेल की टीम के साथ सिविल टीम, महिला रक्षा टीम एवं साइबर सेल की टीम का भी सहयोग रहा।

टीम ने थाना छावनी क्षेत्र में शीतला कॉम्पलेक्स के पीछे नहर किनारे केम्प 2 में एक नाबालिग लड़के को 350 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इसी तरह थाना वैशाली नगर क्षेत्र में वृन्दा नगर केम्प 1 में महिला गांजा तस्कर बीरो बाई (55 वर्ष) के कब्जे से करीब 1 किलो 100 ग्राम गांजा व बिक्री की रकम 5 लाख 76 हजार 350 रुपए जब्त की गई।

थाना नेवई क्षेत्र में बीआरपी कॉलोनी तिरंगा चौक में राजकुमार ठाकुर (50 वर्ष) निवासी स्टेशन मरोदा के कब्जे से करीब 928 ग्राम गांजा व बिक्री रकम 580 रुपए, थाना दुर्ग कोतवाली क्षेत्र में सारथी मोहल्ला मदपारा में आरोपी मनीषा सारची उर्फ बिन्नी (23 वर्ष) के कब्जे से 1 किलो 352 ग्राम गांजा जब्त किया। चौकी पद्मनाभपुर में शीतला तालाब के पास ग्राम पनोरा में आरोपी महेन्द्र टण्डन (22वर्ष) के कब्जे से करीब 1 किलोग्राम गांजा तथा 16 हजार रुपए, थाना मोहन नगर क्षेत्र में ग्रीन चौक के पास आरोपी भरत तिवारी (65 वर्ष) के कब्जे से 1 किलो 308 ग्राम गांजा जब्त किया गया।

नाबालिग की हत्या के मामले में 11वीं का छात्र गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। एक सप्ताह पहले शुक्रवार की दोपहर तालापारा में नाबालिग की हत्या के मामले में पुलिस ने 11वीं कक्षा के छात्र को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस आठ नाबालिग को गिरफ्तार कर चुकी है। मामले में कई और नाम सामने आए हैं। पुलिस इसकी तस्दीक कर रही है। एक सप्ताह पहले राजीव गांधी चौक के पास रहने वाला नवीन महादेवा(17) अपने साथियों उदय चक्रधारी, मोहम्मद शाकिर और अन्य के साथ समता कालोनी स्थित गार्डन में था।

इस दौरान कुछ लोग वहां आकर एक दिन पहले हुए विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। इसका विरोध करने पर उन्होंने नवीन महादेवा के पेट में चाकू मार दिया। बीच-बचाव करने पर उन्होंने उदय के सीने में चाकू से हमला किया। हमले में आहत नवीन और उदय को लेकर उसके साथी सिम्स पहुंचे। सिम्स में डाक्टरों ने नवीन को मृत घोषित कर इसकी सूचना पुलिस को दी। इधर आहत के दोस्त मोहम्मद शाकिर ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की। शाकिर की शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। दो घंटे के भीतर ही पुलिस ने हत्या में शामिल चार नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार की शाम पुलिस ने मामले में तीन और नाबालिगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद गुरुवार को एक आरोपित पुलिस की पकड़ में आ गया। गुरुवार की देर रात 11वीं कक्षा के छात्र को हिरासत में लिया गया। शुक्रवार की सुबह गवाहों ने उसकी पहचान की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में अब तक नौ नाबालिग की गिरफ्तारी हो चुकी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी जेपी गुप्ता ने बताया कि मामले में जांच के दौरान कई नाम सामने आए हैं। अब तक पकड़े गए सभी आरोपित नाबालिग हैं। इसके अलावा मामले जितने भी संदेहियों के नाम सामने आए हैं वे भी नाबालिग हैं। उनकी तलाश की जा रही है। इसके अलावा आसपास के सीसीटीवी के फुटेज लेकर आरोपित की पहचान की जा रही है। मामले में शामिल सभी आरोपित को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

माता पिता की हत्या कर घर में दफना दिए शव, भाई पहुंचा तो खुला मामला

सरगुजा। जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक 17 साल के नाबालिग ने अपने माता पिता की हत्या कर उनका शव घर में ही दफना दिया था। इतना नहीं वह घर में शव दफन कर ऐसे रह रहा था जैसे कुछ हुआ ही नहीं। जब उसका बड़ा भाई घर पहुंचा तब इसका खुलासा हुआ। भाई की सूचना पर पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। शवों को घर से बरामद कर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हत्या का यह हैरान कर देने वाला मामला सरगुजा जिले के उदयपुर क्षेत्र स्थित खुदला गांव का है। यहां एक 17 साल के नाबालिग ने अपने पिता जयराम सिंह (50) व मां फुल सुंदरी बाई (45) की हत्या कर दी। घटना आज से 6 दिन पुरानी है। घटना के बाद नाबालिग ने पहले पिता के शव को घर में गड्डा खोदकर दफना दिया। इसके बाद मां के शव को दो दिनों तक घर पर रखा और उसके बाद उसे भी दफन कर दिया।

माता पिता के शवों को दफन करने के बाद नाबालिग अपने घर पर आराम से रह रहा था। घर में रहता और वहीं खाना बनाता और घर पर ही सोता भी था। उसका एक बड़ा भाई भी है जो अपने ससुराल में अपनी पत्नी के साथ रहता था। गुरुवार 3 मार्च को उसका बड़ा भाई हेंमत घर पहुंचा तो मां बाप नहीं मिले। आसपास पता किया लेकिन पता नहीं चला। वहीं घर पर काफी बदबु आ रही थी। शक होने पर उसने पुलिस को सूचना दी।

देर रात पुलिस घर पहुंची और पहले नाबालिग से पूछताछ की। इस पर नाबालिग ने अपने माता पिता की हत्या करने की बात बता दी। नाबालिग बताया कि उसने अपने माता पिता को मारकर दफना दिया है। पुलिस ने इसके बाद दोनों के शव बरामद कर नाबालिग आरोपी के गिरफ्तार कर लिया है। नाबालिग ने बताया कि उसने अपने माता पिता की हत्या 6 दिन पहले की थी।

मीडिया कर्मी पर जानलेवा हमला, जिला पंचायत सदस्य गिरफ्तार

दुर्ग। गुरुवार की रात को अमलेश्वर के वुड आइलैंड कालोनी में भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य मोरध्वज साहू उर्फ मोनू ने रायपुर के एक मीडिया कर्मी धीरेंद्र गिरी गोस्वामी पर जानलेवा हमला किया है। आरोपित ने किसी धारदार हथियार से पीड़ित मीडिया कर्मी के सिर पर जानलेवा हमला किया। घटना की शिकायत पर अमलेश्वर पुलिस ने आरोपित जिला पंचायत सदस्य व उसके साथियों के खिलाफ हत्या का प्रयास की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी मीडिया कर्मी धीरेंद्र गिरी गोस्वामी (38) गुरुवार की रात को अपने दोस्त कौशल विश्वकर्मा के साथ अपने परिचित रत्नाकर राव शिंदे के घर वुड आइलैंड कालोनी अमलेश्वर गए हुए थे। उस कालोनी के मंदिर के पास आरोपित जिला पंचायत सदस्य मोरध्वज उर्फ मोनू साहू व करीब 40 लोग खड़े थे। आरोपित वहां से गुजरने वाले लोगों से विवाद कर रहे थे। आरोपितों ने रत्नाकर राव शिंदे की पत्नी का दुपट्टा खींचा। शिकायतकर्ता मीडिया कर्मी ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने उससे ही विवाद शुरू कर दिया।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव
छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक/178/भू-अर्जन/आ.क्र.नि.-2021 पाटन, दिनांक 25.01.2022

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की सुरपा-करेला मार्ग सड़क निर्माण एवं सड़क विकास उन्नयन विकास कार्य के तहत ग्राम- सुरपा, प.ह.नं. 51, तहसील- पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग संभाग, दुर्ग के पक्ष में क्रय करने का विचार किया जा रहा है :-

क्र.	भूमिस्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों का विवरण
		खसरा	रकबा (हे. में)	
1	2	3	4	5
1	चन्द्रहास मोरैया आ. अमरदास मोरैया एवं अन्य	347	0.0066	-
2	छन्नू लाल आ. संतराम	349/2	0.0096	
3	छन्नू लाल आ. संतराम	351	0.0048	
4	किरण बेवा केशव इन्द्रजीत ना.बा. पि. केशव	352/1	0.0156	
5	सुरेन्द्र आ. समारू राम एवं अन्य	356	0.0066	
6	दयाराम आ. बृजलाल	907	0.0950	
7	डिहागर मारकंडे आ. कन्हैया	910	0.0920	
	योग	कुल 07 खसरा	0.2302	

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है.

(डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.) एवं
पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-68364/2

फेसबुक में दोस्ती कर छात्रा से किया दुष्कर्म बाद में दूसरी युवती से कर ली सगाई

बिलासपुर (ए)। शहर में रहने वाली युवती का चार साल पहले फेसबुक में दयालबंद निवासी युवक से परिचय हुआ। वह युवक से प्यार करने लगी। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने उसे यदुनंदन नगर के एक मकान में ले जाकर दुष्कर्म किया। बाद में युवक ने दूसरी युवती से सगाई कर ली। इसकी जानकारी होने पर पीड़िता ने सिरगिट्टी थाने में शिकायत की। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित युवक की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली छात्रा ने सिरगिट्टी थाने में दुष्कर्म की शिकायत की है। पीड़िता ने बताया कि चार साल पहले फेसबुक में उसकी पहचान दयालबंद में रहने वाले दिनेश बोले से हुई थी।

इसके बाद में दोनों एक दूसरे से बातचीत होने लगी। इस बीच युवती भी उससे प्यार करने लगी। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने उसे यदुनंदननगर स्थित एक मकान में मिलने के लिए बुलाया। यहां पर उसने छात्रा से शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद उसने छात्रा को शादी करने का भी आश्वासन दिया था। इसी बीच युवक ने दूसरी युवती से सगाई भी कर ली। इसकी जानकारी होने पर उसने युवक से संपर्क करने का प्रयास किया। युवक ने उसे शादी करने से मना कर दिया। युवती ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की। अधिकारियों ने उसकी बात सुनने के बाद सिरगिट्टी थाने में मामला दर्ज कराने भेज दिया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित युवक की तलाश शुरू कर दी है।

सगाई करने से पहले ही बना ली थी दूरी

छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि युवक के परिवार वालों ने उसकी दूसरी जगह शादी तय कर दी है। सगाई से पहले ही वह छात्रा से दूरी बनाने लगा था। दूसरी जगह सगाई होने की बात सुनकर युवती ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया। इस दौरान उसने शादी करने से ही इन्कार कर दिया। छात्रा ने इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों को देकर सिरगिट्टी थाने में शिकायत की।

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
- सागौन निर्मित डूरियन मॉडल, वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
- लक्जरी सोफा 9500/- से शुरु (गारंटी के साथ)
- लक्जरी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
- स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्टी पेट वाली
- कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल, ड्रेसिंग टेबल कम्प्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी

आजाद मार्केट, रिसाली
(भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
- गाऊन
- ब्रा. पेन्टी
- नाईटी
- ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

32 परीक्षा केन्द्रों में उड़नदस्ता दल ने किया औचक निरीक्षण

दुर्ग। माध्यमिक शिक्षा मंडल छत्तीसगढ़ रायपुर के द्वारा 12 वीं हायर सेकंडरी की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत द्वितीय भाषा अंग्रेजी, अंग्रेजी विशिष्ट और अंग्रेजी सामान्य की परीक्षा का आयोजन आज हुआ। जिसमें उड़नदस्ता के दलों ने 32 परीक्षा केंद्रों में औचक निरीक्षण किया। इन परीक्षा केन्द्रों में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम सेलूद, मानसरोवर जांजगिरी, शासकीय विद्यालय कपसदा इत्यादि शामिल थे। उड़नदस्ता दल में जिला शिक्षा अधिकारी अभय जयसवाल भी शामिल थे। इस संबंध में उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। औचक निरीक्षण के दौरान किसी भी केंद्र में अनुचित साधन का उपयोग किया जाना नहीं पाया गया है। आगे भी परीक्षा केंद्रों में पादर्शिता बनी रहे इसके लिए उपयुक्त उपाय किए गए। अमित घोष, डॉ. के.व्ही. राव, टी.आर. जगदल्ले, अरूण कुमार खरे भी उड़नदस्ता दल प्रभारी के रूप में शामिल थे।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के विजेताओं को मिला पुरस्कार

दुर्ग। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के तहत विद्यालयों में 14 दिसंबर 2021 से 20 दिसंबर 2021 को स्लोगन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसके तहत जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा चयनित विद्यालयों में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रतियोगिता में कुल 12 विद्यार्थियों को अलग-अलग श्रेणी में पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। जिसमें स्लोगन प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए 3000, 2000 व 1000 की राशि, चित्रकला में प्रतियोगिता के लिए क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए 5000, 3000 व 2000 की राशि पुरस्कार के रूप में दी गई। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में भानुप्रताप अधीक्षण अभियंता दुर्ग, टीआर ध्रुव, जिला प्रभारी क्रेडा दुर्ग, शिक्षकगण व पालकगण उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कर रहे कोविड के टीके के लिए जागरूक

दुर्ग। महाविद्यालय के छात्र-छात्रा जिला प्रशासन और यूनिसेफ के रोको-टोको अभियान से जुड़कर जागरूकता फैला रहे हैं। आज जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट से निकली और इंदिरा मार्केट पहुंचकर इस संबंध में नुक्कड़ नाटक कर लोगों को टीकाकरण के लिए जागरूक किया। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने विद्यार्थियों की इस पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि कोविड को पूरी तरह से दूर करने के लिए सभी को टीका लगना बेहद जरूरी है। नुक्कड़ नाटक इंदिरा मार्केट में हुआ। नाटक में विद्यार्थियों ने बताया कि किस प्रकार टीका लगने से कोविड की रोकथाम संभव हुई और किस प्रकार कोविड की लहर आती है। विद्यार्थियों ने बताया कि पहली और दूसरी लहर के समय टीकाकरण का दायरा विस्तृत नहीं था। तीसरी लहर जब आई तो टीकाकरण का प्रसार अधिक होने की वजह से लोग गंभीर बीमार होने से बचे। विद्यार्थियों ने बताया कि समय पर दूसरा डोज भी जरूरी है ताकि वायरस के प्रति शरीर में प्रतिरोधी क्षमता बनी रहे। विद्यार्थियों ने सभी को मास्क पहनने के लिए भी जागरूक किया। विद्यार्थियों ने बताया कि मास्क पहनने से अन्य वायरस से भी बचाव होता है और धूल आदि से भी बचते हैं, जिससे दमा जैसी गंभीर बीमारियों की आशंका कम रह जाती है। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. जेपी मेश्राम भी मौजूद रहे। उन्होंने भी यूनिसेफ की पहल की प्रशंसा की। इस दौरान विज्ञान महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

दाऊ राम चंद के स्मृति में प्रदेश स्तरीय नाचा महोत्सव आयोजित

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने नाचा महोत्सव का दीप प्रज्वलन कर किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण तीन दिवसीय स्वः रामचंद देशमुख प्रदेश स्तरीय नाचा गम्मत महोत्सव कार्यक्रम स्थल ग्राम निकुम पुरानी बस्ती जिला दुर्ग छ.ग. में लोककला के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रदर्शन के उद्देश्य से आयोजित नाचा महोत्सव शुभारंभ किया गया जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता अश्वनी साहू अध्यक्ष कृषि उपज मंडी, विशेष अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग शालिनी रिवेन्द्र यादव, अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेन्द्र देशमुख, उपाध्यक्ष झमीत गायकवाड़, तारा शर्मा, बाबूलाल देशमुख, सरपँच मुक्ति सुधाकर उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नाचा गम्मत के शीर्ष कलाकार स्व. दाऊ रामचंद्र देशमुख, स्व.खुमान लाल साव, स्व. मदन मंदराजी, स्व.श्री बाबु दास बोडेला, स्व.झुमुकदास बघेल, स्व.नियईक दास मानिकपुरी के तैलचित्रो पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा में अपनी बहुमूल्य संस्कृति को समेटे हुए हमारी धरोहर है नाचा गम्मत, जिसमें हमारे क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा अपनी हास्य अदाकारी, उनके भावपक्ष, नाचा पार्टी का उद्देश्य हमारे मानव समाज में निहित विभिन्न बुराइयों के प्रति लडने् के लिए, आगे आने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह सिर्फ मनोरंजन का साधन ना होकर हमारी संस्कृति के साथ साथ समाज में विभिन्न बुराइयों के ऊपर कटाक्ष करने का माध्यम है। आगे कहा कि नाचा गम्मत धरोहर को सहेजने के लिए, हमारी आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हमारे युवा वर्ग आज परस्पर सामने आकर ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करा रहे हैं, जो निश्चित ही हमारे आने वाले भविष्य के लिए बहुत अच्छा साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि जब से प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व विलुप्त लोककला संस्कृति को फिर से सहजने का काम कर रही है। उन्होंने इस आयोजन के लिये आयोजन समिति को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस मौके पर उपस्थित अतिथि गण जनपद सदस्य रूपेश देशमुख, जनपद सदस्य टिकेश्वरी लाल देशमुख, विधायक प्रतिनिधि डा. पिलेश्वर साहू, दुर्ग ग्रामीण जिला सचिव जामवंत गजपाल, जिला कांग्रेस के सचिव बलराम देशलहरे, ब्लाक अध्यक्ष नन्दकुमार सेन, उपाध्यक्ष जिला काग्रेस दुर्ग ग्रामीण नन्दकुमार साहू, जनपद सदस्य सभापति हरेन्द्र देव धृतलहरे, सरपंच तिरगा घसिया राम देशमुख, जनपद सदस्य मनीष चन्द्राकर, सरपंच मुक्ती सुधाकर, तारा शर्मा, सरपंच आशा देशमुख, मुरली देशमुख, बाबु लाल देशमुख, घनश्याम साहू, हुल्ली बाई साहू, सुरेश साहू सरपंच भोथली, दीपिका चन्द्राकर, प्रीति वैष्णव, नाचा गम्मत महोत्सव प्रदेश पदाअधिकारी प्रदेश अध्यक्ष रजित चक्रधारी, उपाध्यक्ष हरबचन श्रीवास, सचिव ध्रुव कुमार साहू, कोषाध्यक्ष माजन साहू, सह सचिव राजकुमार साहू, सलाकार डोमार कुवंर, संरक्षक कमलनारायण देशमुख, पंचराम ठाकुर, कुवंर मानिकपुरी, मिडिया प्रभारी भूपेश रजक, जिला अध्यक्ष भूपेन दास साहू, बावनवीर यदु, उत्तम धुव, प्रकाश पटेल, उत्तर साहू, हेम सिंग नाग, गोपाल यादव, ऋषि किरण, फेरू राम सेन, दिलेश्वर साहू, घनश्याम पटेल, तोमन कोमले सहित आयोजन समिति के सदस्य सहित ग्रामीण जन बड़ी संख्या लोग मौजूद थे। मंच संचालन खिलेंद्र कुमार यादव ने किया।

पूरे मार्च माह में अवकाश के दिन खुला रहेगा संपत्तिकर जमा करने के लिए निगम में काउंटर, आयुक्त प्रकाश सर्वे ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के करदाताओ को सुविधा देने के लिए शासकीय अवकाश के दिनों में भी संपत्तिकर जमा करने के लिए काउंटर पूरे मार्च माह में खुला रहेगा। केवल होली अवकाश के दिन 18 मार्च को ही काउंटर बंद रहेगा। पिछले शनिवार अवकाश को काउंटर खुला रखा गया था जिसमें कई लोगों ने अपना टैक्स जमा किया है।

कई दफा करदाताओं को कार्य दिवस के दौरान संपत्तिकर जमा करने के लिए पृथक से समय निकालना पड़ता है, कार्य दिवस के दौरान कई कार्यालयीन व्यस्तता के कारण संपत्तिकर के काउंटर पहुंच भी नहीं पाते है। अब ऐसे करदाता अवकाश के दिन अपना संपत्तिकर एवं अन्य टैक्स जमा कर पाएंगे।

रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में निगम मुख्य कार्यालय के अलावा जोन क्रमांक एक नेहरू नगर कार्यालय, जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर कार्यालय, जोन क्रमांक 3 मदर टैरेसा नगर कार्यालय एवं जोन क्रमांक 4 शिवाजी नगर कार्यालय पहुंचकर भी टैक्स जमा किया जा सकता है। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत टैक्स वसूली के निर्देश दिए हुए हैं। टैक्स वसूली पूर्ण करने को लेकर निगम आयुक्त लगातार अधिकारियों को निर्देशित कर रहे है। बकायेदारों पर वसूली के लिए सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और लाखों रुपए की टैक्स की वसूली हो चुकी है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को देखते हुए टैक्स वसूली के लिए निगम भिलाई द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। मार्च माह की अंतिम तारीख के पूर्व संपत्ति कर जमा करने मुनादी के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, वही शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है।

मार्च माह के बाद टैक्स जमा करने वाले करदाताओं को देना होगा 18त्न अधिभार वित्तीय वर्ष के माह की अंतिम तारीख तक टैक्स जमा करने वालों को अधिभार नहीं देना होगा। परंतु 31 मार्च के बाद टैक्स जमा करने वाले करदाताओं को 18त्न अधिभार और शास्ती शुल्क देना होगा। ऑनलाइन जमा कर सकते हैं टैक्स टैक्स जमा करने वाले करदाता में ऑनलाइन पेमेंट को क्लिक करके भिलाई मुंसिपल कारपोरेशन का चयन करने के उपरांत वार्ड एवं अपना आईडी नंबर डालकर डेबिट क्रेडिट एवं नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट जमा कर सकते हैं।

गौठानों में लगेंगे सूचना पटल, हर दिन गोबर क्रय-विक्रय की अंकित होगी जानकारीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गोधन न्याय योजना के अंतर्गत हर दिन गौठानों में हो रही गतिविधियों की जानकारी अब गौठान में ही अंकित सूचना पटल से मिल सकेगी। सूचना पटल में अंकित होने से हर दिन बेहतर काम करने की दिशा में इच्छाशक्ति और भी मजबूत होगी। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन ने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि गौठानों में गोबर क्रय का विवरण, कुल वर्मी उत्पादन, अर्जित लाभ जैसी जानकारी दो तरह से लिखें। एक तो मासिक आधार पर और दूसरा दैनिक आधार पर ताकि प्रगति को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया जा सके।

देवागंन ने कहा कि गौठान को स्वावलंबी बनाने के लिए सभी गौठानों में आजीविका गतिविधि किया जाना है। गौरतलब है कि जिले में 282 गौठान निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है, जिसमें जनपद पंचायत दुर्ग में 72 गौठान, जनपद पंचायत धमधा में 125 गौठान, जनपद पंचायत पाटन 115 गौठानों को पूर्ण किया गया है। जिन गौठानों में बाड़ी एवं चारागाह स्थापित किया गया वहां सिंचाई हेतु पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश उन्होंने दिये। साथ ही यहां आजीविका गतिविधि को संचालन करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि गौठानों में आजीविका मुर्गी पालन, बकरी पालन, सब्जी-भाजी उत्पादन, मिनी राईस सह पनोर मिल, मशरूम उत्पादन, डबरी/तालाब में मछली पालन, आचार एवं पांपड़ निर्माण संसाधन, गोबर से लकडी निर्माण, अगरबत्ती, निर्माण जैसे कार्य किये जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए उठाव पर नजर रखना बेहद आवश्यक है। वर्मी कंपोस्ट का जितनी तेजी से उठाव होगा, यह योजना उतनी ही बेहतर तरीके से क्रियान्वित होगी। उन्होंने कहा कि देखा गया है कि वर्मी कंपोस्ट के माध्यम से जिन किसानों ने खेती की है उनकी फसल बढ़िया रही है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के स्टोरेज मॉड्यूल पूरे देश में सराहना

शीघ्र शुरू होगा फूड टेस्टिंग लैब का निर्माण : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन अरुण वोरा ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में कार्पोरेशन के कामकाज और सेवाओं में विस्तार करते हुए निरंतर नई उपलब्धियां हासिल की हैं। गोडाऊन में अनाज भंडारण क्षमता बढ़ाने, साइंटिफिक तरीके से अनाज भंडारण की बेहतर व्यवस्था और स्टोरेज मैनेजमेंट की व्यवस्था में जबर्दस्त सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री के सतत मार्गदर्शन के कारण ही आज पूरे देश में छत्तीसगढ़ वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के स्टोरेज मॉड्यूल की सराहना हो रही है। वोरा ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप नवा रायपुर में मध्य भारत के पहले फूड टेस्टिंग लैब का निर्माण करने तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी माह मुख्यमंत्री से भूमिपूजन कराया जाएगा।

वोरा ने बताया कि भारत सरकार के खाद्य विभाग और फूड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया ने हाल ही में देश के सभी राज्यों के स्टोरेज मैनेजमेंट मॉड्यूल सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की है। समीक्षा में छत्तीसगढ़ वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के गोडाऊन में स्टोरेज मैनेजमेंट मॉड्यूल और मॉनिटरिंग, रखरखाव से संबंधित हरेक पैरामीटर को पूरे देश में सर्वोत्तम माना गया। केवल छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन ही ऐसा राज्य था, जिसका स्टोरेज मॉड्यूल सभी पैरामीटर में जानकारी देने में सक्षम है। छत्तीसगढ़ राज्य के मॉड्यूल को अब दूसरे राज्यों में भी लागू किया जा रहा है। वोरा ने बताया कि केंद्रीय खाद्य विभाग द्वारा सभी राज्यों में खाद्यान्नों के भंडारण की मॉनिटरिंग और समय-समय पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए एक एप्लीकेशन ईको सिस्टम की कल्पना की गई है, जिसमें सभी राज्यों के स्टोरेज मैनेजमेंट को इंटीग्रेट कर केंद्रीय पूल स्टाक के भंडारण से संबंधित सभी जानकारियां एक स्थान पर उपलब्ध किया सके। पूरे देश में खाद्यान्नों के रिकॉर्ड के बेहतर प्रबंधन, व्यवस्थित और एकरूपता लाने के उद्देश्य से एफसीआई द्वारा राज्यों के स्टोरेज मैनेजमेंट सिस्टम के अध्ययन और विश्लेषण किया गया।

विश्लेषण के दौरान केंद्रीय खाद्य विभाग और एफसीआई ने छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के ऑनलाइन स्टोरेज मॉड्यूल, ऑनलाइन धर्मकांटा मॉड्यूल, ऑफलाइन गेटपास मॉड्यूल, इंसेक्टीसाइड इनवेंटरी सिस्टम, एम्प्लायी मैनेजमेंट सिस्टम, ऑनलाइन फिजिकल वेरीफिकेशन सिस्टम, ऑनलाइन इंस्पेक्शन सिस्टम, ऑनलाइन लीव सिस्टम, आनलाइन सीआर सिस्टम, आय व्यय पत्रक, डैशबोर्ड आदि को सर्वोत्तम माना है। वोरा ने बताया कि केंद्र सरकार के खाद्य विभाग ने दूसरे राज्यों को भी छत्तीसगढ़ के मॉड्यूल को लागू करने की सलाह दी है। हरियाणा और महाराष्ट्र राज्य ने छत्तीसगढ़ वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के स्टोरेज मॉड्यूल में दिलचस्पी लेते हुए इसका अध्ययन भी कर लिया है। महाराष्ट्र ने मॉड्यूल को लेकर छत्तीसगढ़ वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन से तकनीकी सहायता भी मांगी है।

हादसे पर विधायक वोरा ने जताई चिंता

ट्रेफिक डीएसपी को व्यवस्था दुरुस्त करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने बीती रात धमधा नाका फ्लाईओवर में हुए हादसे में चार लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शहर की यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने कहा है। दुर्ग शहर में लगातार एक्सीडेंट की घटनाओं के कारण हो रही मौतों पर चिंता जताते हुए वोरा ने कहा कि दुर्घटनाएं रोकने के लिए यातायात विभाग को सभी जरूरी इंतजाम करना चाहिए।

वोरा ने शुक्रवार को इस मामले को लेकर ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह से चर्चा करते हुए यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने कहा है। वोरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बीते एक हफ्ते में 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जो चिंता का विषय है।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के इंतजाम तत्काल किये जाने चाहिए। वोरा ने कहा कि पिछले दो दशकों में शहर की आबादी बढने् के साथ ही वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इस अनुपात में यातायात की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के इंतजाम पर व्यापक स्तर पर ध्यान देना आवश्यक है। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर बारीकी से समीक्षा करना जरूरी है।

बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था के साथ ही हादसे रोकने के लिए शहर की प्रमुख सडक़ों पर जरूरी इंतजाम किया जाना चाहिए। वोरा ने कहा कि प्रमुख सडक़ों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था करना जरूरी है। पिछले एक साल से ज्यादा समय से जीई रोड पर अंधेरा है। जीई रोड पर 12 करोड़ की लागत से प्रकाश व्यवस्था का काम तत्काल तेजी से किया जाना चाहिए। इसके अलावा सभी प्रमुख सडक़ों पर रेडियम संकेतक लगाने का काम होना चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। अनियमित और बेतरतीबी से लगे होर्डिंग को स्थायी रूप से हटाने की कार्रवाई होना चाहिए। सड़कों पर गड्ढे की तत्काल फिलिंग कराई जानी चाहिए, ताकि हादसे न हों। इसके अलावा सडक़ों पर आवारा मवेशियों के कारण भी हादसे होते हैं। हादसे रोकने के लिए हरसंभव उपाय तत्काल किये जाने चाहिए।

शहर के 6 वार्डों में हुआ 50 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग में विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा 50लाख रु की विकास कार्यों की सौगात आम नागरिकों को दी गई।जिसमे नाली निर्माण ,सड़क सीमेंटीकरण एवम डामरीकरण का कार्य प्रमुख है।

भूमि पूजन का कार्य वार्ड क्रमांक 37, 38, 39, 44, 45 एवम 46 में विधायक व महापौर द्वारा किया गया। विधायक वोरा ने कहा कि ग्रीष्म काल के दौरान ही शहर की आंतरिक सड़कों को सुदृढ करने एवं जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए नालियों का निर्माण सुनिश्चित कर लिया जाए ताकि आने वाले बरसात के मौसम में आम जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। कार्यों के निष्पादन के लिए अधोसंरचना अंतर्गत 4.5 करोड़ एवं नाले नालियों के निर्माण के लिए वित्त आयोग अंतर्गत 5.7 करोड़ की राशि उपलब्ध करवाई गई है।

एस.आर.हॉस्पिटल चिखली दुर्ग में डायल 112 के कर्मियों का हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर. हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर धमधा रोड चिखली दुर्ग में शुक्रवार को दुर्ग हेल्पलाइन की सेवाएं डायल 112 टीम के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डायल 112 के कर्मियों के साथ ही उनके परिवार के सदस्यों का भी नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हुआ।

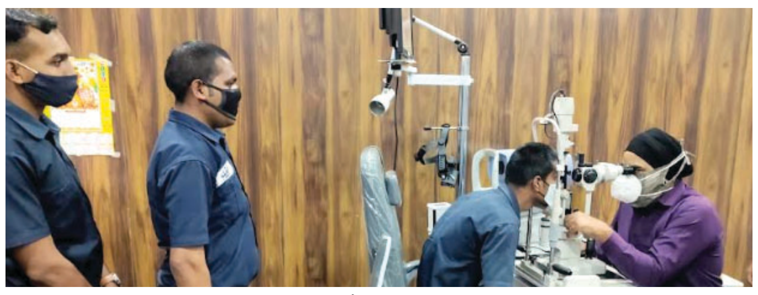

शिविर के पहले दिन कुल 53 कर्मियों व उनके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में एडिशनल एस.पी. दुर्ग शहर संजय ध्रुव उपस्थित हुए। वहीं कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डी.एस.पी. विश्वास चंद्राकर व आई.पी.एस. जितेंद्र यादव भी विशेष रूप से शामिल हुए ।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए दुर्ग एडिशनल एस.पी. संजय ध्रुव ने एस.आर. हॉस्पिटल प्रबंधन के इस प्रयास की भरपूर सराहना की उन्होंने एस.आर. हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय तिवारी को विशेष पहल के लिए बधाई दी। कहां की डॉक्टर नर्सिंग स्टाफएवं अन्य सभी स्टाफधन्यवाद के पात्र हैं ।इस मौके पर उन्होंने कहा कि 24 घंटे सेवाएं प्रदान करने वाले डायल 112 के चालको के लिए इस तरह का आयोजन सराहनीय प्रयास है। हम आशा करते हैं कि एस.आर. हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर आगे भी समाज के प्रत्येक व्यक्ति के साथ पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को भी इसी प्रकार का सहयोग करता रहेगा। दुर्ग जिले में अपनी विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अलग पहचान बना चुके एस.आर. हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर द्वारा समय-समय पर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। अस्पताल द्वारा जिले की सुरक्षा व्यवस्था में लगे डायल 112 के कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों के लिए 4 मार्च से 6 मार्च तक तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में डायल 112 के स्टॉफएवं परिवार के सदस्यों के लिए फुल बॉडी चेकअप के साथ खून पेशाब जांच, ई.सी.जी.,एक्स-रे ,दवाइयां एवं चश्मा पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान कराया गया ।

एस.आर. हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय तिवारी ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में आज वैस्कुलर एवं कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ.रंजन सेनगुप्ता, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ.विश्वमित्र बी. दयाल, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.एस.पी. केशरवानी व एवं वात रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपम लाल, जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. सुशांत कांडे, स्त्री व प्रसूति रोग विभाग से डॉ. बलराम साहू, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ जे.एस. भाटिया , नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता जोशी दंत रोग विभाग से डॉक्टर शाहीन हमदानी द्वस्त्रह्य आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की । इसी प्रकार डॉ.महोबिया,डॉ.त्रिषा सिंह,डॉ.नीलम चंद्राकर,डॉ. अश्वनी शुक्ला, डॉ. रजत डेहरिया, डॉ. सौम्या तिवारी डॉ मुकेश,प्रेम चंद्राकर, चंद्रसेन राठौर, कपिल उत्पल,अजय तिवारी, अजय अग्रवाल, जगजीत पांडे, प्रियेश मिश्रा पदुम महाराणा, राजेश त्रिपाठी, सतीश मिश्रा, नाजिया, यवंतिका,निशा,स्वाति पारकर, रोशनी, रामपाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खस्ताहाल सड़क से मिलेगी निजात, जलेबी चौक से नेहरू चौक होगा सीमेंटीकरण कार्य

महापौर के निर्देश पर लोक निर्माण प्रभारी एकांश बंछोर ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के केम्प एरिया में विकास कार्य के लिए आज पीडब्ल्यूडी प्रभारी ने भूमिपूजन किया। जलेबी चौक से नेहरू चौक तक सीमेंटीकरण कार्य किया जाएगा इसके लिए आज महापौर नीरज पाल के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी प्रभारी एकांश बंछोर ने स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। अब खस्ताहाल सड़क से लोगों को शीघ्र निजात मिलेगा। पटरीपार क्षेत्र में महापौर ने विकास कार्य की सौगात दी है।

हजारों लोगों का आना जाना इस रास्ते से लगा रहता है इसको देखते हुए महापौर ने प्रमुखता से इस कार्य को करने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे इसी तारतम्य में अब सीमेंटीकरण का काम किया जाएगा। भूमि पूजन के बाद इसका काम एजेंसी टीबी इंटरप्राइजेज के द्वारा प्रारंभ किया जाएगा इसका कार्य आदेश निगम ने जारी कर दिया है। अधोसंरचना मद से कार्य होगा। जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर एरिया के वार्ड 30 में विकास कार्य के लिए 16 लाख रूपए की लागत से होने वाले सीमेंटीकरण कार्य के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। भूमिपूजन के लिए पहुंचे जनप्रतिनिधियों का वार्ड के नागरिकों ने आत्मीय स्वागत किया और आवागमन के सहुलियत के लिए बनाए जाने वाले सीसी रोड बनावाने पर महापौर एवं निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किए। भिलाई निगम क्षेत्र के जोन 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत वार्ड 30 प्रगति नगर केम्प 01 में पार्षद एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के प्रभारी तथा एमआईसी मेंबर एकांश बंछोर ने महापौर श्री पाल के निर्देश पर आज सुबह वार्ड के नागरिको की उपस्थिति में सीमेंटीकरण कार्य के लिए भूमिपूजन किया इस दौरान उन्होंने कहा कि सड़क का सीमेंटीकरण कार्य पूर्ण होने से वार्ड स्वच्छ एवं सुंदर दिखाई देगा तथा बारिश के सीजन में कीचड़ से निजात मिलेगी। निगम प्रशासन क्षेत्र में मूलभूत सुविधओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है, पूरे निगम क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता संबंधी गतिविधि तथा आवश्यकता अनुरूप निगम द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950